दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः मंगलवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com ●वर्ष 03 ●अंक 231 ●पृष्ठ 8 ●दुमका, मंगलवार 22 अगस्त 2023 ● मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

कौन खा गया बच्चों का पैसा, अल्पसंख्यक मंत्रालय की स्कॉलरशिप में करोड़ों के घोटाले का पर्दाफाश

अब तक की जांच में पिछले 5 वर्षों में 144.83 करोड़ रुपये का घोटाला, स्मृति ईरानी ने सीबीआई को सौंपी जांच

नई दिल्ली/एजेंसी।

देश के अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने एक आंतरिक जांच के माध्यम से भारत में सबसे बड़े अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति घोटालों में से एक का भंडाफोड़ किया है। मंत्रालय की आंतरिक जांच से पता चला है कि इस प्रक्रिया में शामिल लगभग 830 संस्थान गहरे भ्रष्टाचार में शामिल थे और पिछले 5 वर्षों में 144.83 करोड़ रुपये का घोटाला किया। मंत्रालय को यह भी पता चला कि देश में अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति के लगभग 53 प्रतिशत लाभार्थी फर्जी थे। घटनाक्रम के बाद केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने तुरंत इस मामले की केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) जांच के आदेश दिए हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने आधिकारिक तौर पर 10 जुलाई को इस मामले में अपनी शिकायत दर्ज कराई है।अपनी आंतरिक जांच में मंत्रालय ने 34 राज्यों के 100 जिलों में विभिन्न संस्थानों की जांच की। कथित तौर पर किसी भी तरह के गलत कार्यों के लिए लगभग 1572 संस्थानों की जांच की गई। उनमें से लगभग 830 मदरसे कथित तौर पर धोखाधड़ी गतिविधियों में शामिल पाए गए। बता दें कि मदरसों में अधिकतर मुस्लिम बच्चे ही पढ़ते हैं, ऐसे में मदरसा संचालकों ने अपने ही समुदाय के बच्चों के हक पर डाका डाला है। ये डेटा 34 राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों में से 21 से प्राप्त हुआ था,शेष राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों के संस्थानों की अभी भी जांच चल रही है। सबूतों को नष्ट होने से बचाने के लिए,अधिकारियों ने वर्तमान में कटघरे में मौजूद इन 830 संस्थानों से जुड़े सभी खातों को फ्रीज कर दिया है।

इसरो के पूर्व चीफ के सिवन ने जताया भरोसा,इसबार भारत चांद पर लैंड करने में होगा सफल

नई दिल्ली। भारत अपने चंद्रयान–3 मिशन की सफलता में कोई कोर–कसर बाकी नहीं छोड़ रहा है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधन संगठन के पूर्व चीफ रहे के सिवन ने भी इसबार भरोसा जताया है कि भारत चांद पर लैंड करने में सफल रहेगा। उन्होंने कहा कि चंद्रयान–2 से इसरो ने काफी सीख ली है और इसबार हमें सफलता मिलेगी। सिवन ने कहा कि चंद्रयान–2 के लैंडिंग की प्रक्रिया के दौरान मिले डेटा का हमने विश्लेषण किया है। इस डेटा के बाद हमने कई तकनीक में कई बदलाव किए हैं और अपडेट किया है। उन्होंने कहा कि केवल अपडेट ही नहीं किया है बल्कि उससे ज्यादा ही सुधार किया है। जहां कभी भी मार्जिन कम था वहां हमने मार्जिन बढ़ाया है। इसके अलावा जहां सेंसर काम नहीं कर रहा था उसमें भी बड़ा सुधार किया है। पिछली बार के मिशन से हमने यही सीख ली है। इसबार सिस्टम चंद्रयान–2 से मिली सीख के बाद हम ज्यादा अपडेट है। इसलिए सिस्टम ज्यादा अपग्रेड है और हमें उम्मीद है कि इसबार हमें सफलता मिलेगी। ज्ञात हो कि 2019 में जब चंद्रयान–2 मिशन बस चांद की सतह को छूने ही वाला था कि उसका लैंडर विक्रम की क्रैश लैंडिंग हो गई। उस दौरान इसरो के चीफ के सिवन थे। इस मिशन को देखने के लिए खुद पीएम नरेंद्र मोदी भी पहुंचे थे। मिशन के असफल हो जाने के बाद के सिवन रो पड़े थे। तब पीएम मोदी ने उन्हें ढाढस बढ़ाया था।

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर हिंसा मामले में जस्टिस गीता मित्तल कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट में सौंपी रिपोर्ट,सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से मांगा सहयोग

नई दिल्ली। मणिपुर हिंसा मामले में जस्टिस (रिटायर्ड) गीता मित्तल कमेटी ने अपनी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट को सौंप दी है। सुप्रीम कोर्ट ने बताया कि मणिपुर हिंसा को लेकर जस्टिस गीता मित्तल की कमेटी ने तीन रिपोर्ट सौंपी हैं। कोर्ट ने अब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता को रिपोर्ट देखने और इस मामले में सहयोग देने को कहा है। ज्ञात हो कि मणिपुर हिंसा को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की गई थी। इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की तीन पूर्व महिला जजों की एक कमेटी बनाई थी। इस कमेटी को मणिपुर में हिंसा प्रभावित लोगों के लिए चलाए जा रहे राहत और पुनर्वास कार्यक्रमों की देखरेख करने और रिपोर्ट सौंपने की जिम्मेदारी दी गई थी। कमेटी का अध्यक्ष जम्मू कश्मीर हाईकोर्ट की पूर्व मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल को बनाया गया था।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स

65,953.48+232.23 (0.35%)

निफ्टी

19,597.30+80.30 (0.41%)

सुप्रीम कोर्ट से ममता बनर्जी को बड़ा झटका

भतीजे अभिषेक को नहीं मिली राहत,जारी रहेगी सीबीआई-ईडी की पूछताछ

नई दिल्ली/एजेंसी।

कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा 8 जुलाई को सीबीआई व ईडी पूछताछ के खिलाफ अभिषेक बनर्जी को अंतरिम राहत देने से इनकार करने के बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने आज सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया,जिसमें भर्ती अनियमितता मामले में सीबीआई और ईडी पूछताछ के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस नेता अभिषेक बनर्जी को अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया गया था। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने कहा कि वह इस स्तर पर याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं। पीठ ने कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार उचित राहत के लिए कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा सकती है।

उल्लेखनीय है कि कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा विगत 8 जुलाई को सीबीआई और ईडी पूछताछ के खिलाफ बनर्जी को अंतरिम राहत देने से इनकार के बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। उच्च न्यायालय ने कहा था कि बनर्जी किसी अंतरिम राहत के हकदार नहीं हैं क्योंकि उनके खिलाफ आरोप गंभीर प्रकृति के हैं।

होनहारों की सफलता में अब पैसे की कमी नहीं आएगी आड़े: सुदेश महतो

● आजसू सुप्रीमों ने किया स्टूडेंट एक्सप्रेस बस सेवा का शुभारंभ

सिल्ली/रांची। पढ़ेगा सिल्ली, बढ़ेगा सिल्ली संकल्प के तहत विधायक और राज्य के पूर्व उप मुख्यमंत्री सुदेश महतो ने आज स्टूडेंट एक्सप्रेस बस सेवा का शुभारंभ किया। यह बस सेवा पूरी तरह निः शुल्क है। यह सेवा सोनाहातू के विद्यार्थियों के लिए प्रारंभ किया गया है। ग्रामीण छात्रों के लिए प्रारंभ कि गई यह निः शुल्क बस सेवा सोनाहातू से होते हुए रांची तक जायेगी।

बस सेवा के प्रारंभ होने पर मीडियासे बात करते हुए सुदेश महतो ने कहा कि ₹ आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थी जो किसी कारण से रांची तक नहीं पहुंच पा रहे थे उनकी मदद करने में स्टूडेंट एक्सप्रेस सहायक साबित होगा। उन्होंने कहा कि निः शुल्क बस सेवा का लाभ सभी वर्ग के विद्यार्थी उठा सकेंगे।

Dipendra Singh
9335448671
R.K. Choudhary
8384831556
RK marbles & tiles
मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले
रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

सभी समन्वय बनाकर श्रद्धालुओं को सुगमतापूर्वक कराएं जलार्पण

श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं उन्हें कठिनाई नहीं हो इसका विशेष ध्यान रखें: उपायुक्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। राजकीय श्रावणी मेला महोत्सव 2023 के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा फौजदारी नाथ की नगरी पहुंचकर बाबा का जलार्पण कर रहे हैं। सावन माह के तीसरी सोमवारी को बाबा फौजदारी नाथ की नगरी देर रात्रि से ही केसरिया रंग से सराबोर दिख रही थी।बोल बम और हर हर महादेव के नारों से पूरा मेला क्षेत्र गुंजयमान था।देर रात्रि से श्रद्धालु बाबा का जलार्पण करने के लिए कतारबद्ध हो रहे थे। सरकारी पूजा के बाद प्रातः 3:35 से श्रद्धालु अर्घा के माध्यम से बाबा का जलार्पण कर रहे थे।इसी क्रम में उपयुक्त ए दोड्डे ने संपूर्ण मेला क्षेत्र का निरीक्षण किया।दर्शनिया टीकर में श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्था,पार्किंग तथा अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए उन्होंने प्रतिनियुक्ति अधिकारियों को निर्देश दिया कि

वैसे वाहन जो सड़क पर खड़े हैं तथा श्रद्धालुओं के आवागमन को बाधित कर रहे हैं।उन्हें चिन्हित करते हुए जुर्माना किया जाए।सभी वाहन वाहन पार्किंग में ही खड़ा रहे इसे सुनिश्चित करें।इस दौरान उन्होंने सुरक्षा बल के जवान तथा प्रतिनियुक्ति दंडाधिकारियों को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई कठिनाई नहीं हो,इसका पूरा ध्यान रखें अपने कर्तव्य स्थल पर उपस्थित रहकर पूरी तत्परता के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें।नागनाथ चौक पहुंचकर उपायुक्त ने विधि व्यवस्था का जायजा लिया तथा प्रतिनियुक्त सुरक्षा बल के जवान तथा दंडाधिकारी यों को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं को कतार बंद कर जल अर्पण के लिए भेजें एक जगह पर श्रद्धालु किसी भी परिस्थिति में एकत्र नहीं हो इसे सुनिश्चित करें आवश्यकतानुसार सुरक्षा बल की प्रतिनियुक्ति की जाए।उन्होंने कहा कि रूट लाइन तथा महत्वपूर्ण स्थलों पर और भी सुरक्षा बल के जवान की प्रतिनियुक्ति की जाय।

कंट्रोल रूम पहुंचकर उपायुक्त ने पूरे मेला क्षेत्र के विधि व्यवस्था का अवलोकन किया।उन्होंने रूट लाइन तथा क्यू कंपलेक्स का अवलोकन करते हुए निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए सभी अपने-अपने कर्तव्य स्थल पर डटे रहें।सावन माह की तीसरी सोमवारी को श्रद्धालुओं की कतार शिवगंगा के चारों ओर दिखाई दे रही थी।श्रद्धालु अपने हाथ में पवित्र गंगाजल लिए कतारबद्ध होकर बाबा का जलार्पण करने का इंतजार कर रहे थे।सभी सुरक्षा बल के जवान श्रद्धालुओं की सुविधा तथा सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपने-अपने कर्तव्य स्थल पर तैनात थे।वैसे श्रद्धालु जिन्हें,स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो रही थी।सुरक्षा बल के जवान तुरंत उन्हें बाइक एंबुलेंस के माध्यम से स्वास्थ्य शिविर तक पहुंचाने का कार्य कर रहे थे।

बगैर ई परिवहन चालान के स्टोन चिप्स लोडकर परिवहन कर रहे दो हाईवा जब्त,दोनों हाईवा चालकों को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। शिकारीपाड़ा पुलिस में बगैर ई परिवहन चालान के स्टोन चिप्स परिवहन कर रहे दो हाईवा को रविवार की शाम जब्त किया है ।मामले में हाईवा चालक एवं मलिक के विरुद्ध मामला दर्ज करते हुए दोनों हाईवा के चालकों को आज सोमवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। शिकारीपाड़ा थाना में पदस्थापित प्राप्त जानकारी के अनुसार सहायक अवर निरीक्षक जीवन तईउ के बयान पर यह मामला दर्ज किया गया है। सहायक अवर निरीक्षक जीवन के अनुसार वह पुलिस बल के साथ दिवा गस्ती में थे।रविवार की शाम 4 बजे उच्च अधिकारियों को निर्देश पर सीमानीजोर गांव के निकट वाहन जांच कर रहे थे।उसी दरम्यान सूचना मिली की दो हाईवा बगैर परिवहन चालान के स्टोन चिप्स लेकर आ रहे हैं। दोनों हाईवा को मौजूद पुलिस बल ने रोककर हाईवा चालकों से कागजात की मांग की तो वह कुछ भी नहीं दे पाए और ना ही कुछ बता पाए।जेएच 04 क्यू 0868 के चालक ने अपना नाम राजेश कुमार महतो ग्राम भोडाबाद,थाना जरमुंडी,

जिला दुमका एवं दूसरे वाहन जे एच04 आर 2923 के चालक ने अपना नाम निरंजन महतो,ग्राम भोडाबाद,थाना जरमुंडी,जिला दुमका बतायोपत्थर चिप्स सहित वाहनों की जब्ती सूची बनाते हुए पुलिस अभिरक्षा में दोनों वाहनों को प्रखंड मैदान में खड़ा कर दिया गया तथा लिखित आवेदन देकर थाना प्रभारी शिकारीपाड़ा से मामला दर्ज करने का आग्रह किया गया। पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी उमेश राम ने थाना कांड संख्या 89 /23 भादवि की धारा 414 एवं 34 के तहत दोनों वाहनों के मालिक एवं चालकों के विरुद्ध मामला दर्ज करते हुए गिरफ्तार चालकों को जेल भेज दिया है।

संक्षिप्त समाचार

डालसा द्वारा मनाया गया विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। झालसा, रांची तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका अनिल कुमार मिश्रा के निर्देशानुसार जिले भर के विभिन्न प्रखंडों में पैरा लीगल वॉलिंटियर्स द्वारा विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए ₹अकेले नहीं है आप₹ अभियान चलाया गया। इस दिन का लक्ष्य के बारे में बताया गया कि यह वह दिन है जब पूरी दुनिया बुजुर्गों के सम्मान में एक साथ खड़ी होती है बुजुर्गों को सम्मान देकर उन्हें यह बताना है कि वह हमारे लिए कितने महत्वपूर्ण है। घर के बुजुर्गों के साथ बैठकर बातें करने से उन्हें अकेलापन महसूस नहीं होता है, बुढ़ापे में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना होता है, अगर कोई बुजुर्ग करदाता है तो उन्हें सामान्य करदाता के मुकाबले कई सारी कर की रियायत दी जाती है, एक निश्चित सीमा तक आयकर में छूट भी मिलती है। इसके साथ ही उन्हें हवाई यात्रा, रेल यात्रा, बस यात्रा, टेलीफोन बिल इत्यादि पर भी छूट दी जाती है। साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं मे सीनियर सिटीजन कार्ड, प्रधानमंत्री व्यय वंदन योजना, वृद्धावस्था पेंशन इत्यादि के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया।

विधायक ने किया स्वंतत्रता सेनानी सह दुमका के प्रथम सासंद लाल हेम्ब्रम की प्रतिमा का अनावरण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शिकारीपाड़ा प्रखंड के कुशपहाड़ी हटिया परिसर के सामने सोमवार को स्वंतत्रता सेनानी सह दुमका के प्रथम सासंद लाल हेम्ब्रम की प्रतिमा का शिकारीपाड़ा विधायक नलिन सोरेन ने अनावरण किया। उल्लेखनीय है कि इसी हटिया परिसर के बगल से स्वतंत्रता सेनानी लाल बाबा के गांव सराय दाहा के लिए एक सड़क जाती है।इस अवसर पर झामुमो जिला प्रवक्ता अब्दुल सलाम अंसारी,प्रखंड अध्यक्ष चुंडा हेम्ब्रम, प्रभुनाथ हांसदा,जिला परिषद सदस्य प्रकाश हांसदा, केन्द्रीय समिति सदस्य आलोक कुमार सोरेन,मुखिया सिसिलिया सोरेन,साईमन सोरेन, लालू हेम्ब्रम,ग्राम प्रधान मंटु सोरेन आदि उपस्थित थे।

पुलिस ने किया बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश,बाइक चोर गिरोह के सरगना समेत तीन गिरफ्तार,चोरी की सात बाईक जप्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका । रामगढ़ थाना पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी कर चोरी की सात बाइक को जब्त करते हुए बाइक चोर गिरोह में शामिल तीन आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है।रामगढ़ थाना में पत्रकार वार्ता के दौरान जरमुंडी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी आमोद नारायण सिंह ने बताया कि विगत 15 जुलाई को रामगढ़ थाना क्षेत्र के कट्टहलडीह गांव निवासी जीतू राय ने अज्ञात चोरों पर घर के बरामदे पर रखी ग्लैमर मोटरसाइकिल चोरी कर लेने की प्राथमिक दर्ज करायी थी ।जिस संदर्भ में रामगढ़ थाना कांड संख्या 59/23 दर्ज किया गया था ।कांड के सफल उद्भेदन तथा बाइक चोर गिरोह का पता लगाने हेतु पुलिस अधीक्षक दुमका के आदेशानुसार अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जरमुंडी के नेतृत्व में छापामारी टीम का गठन किया गया।मामले में गुप्त सूचना के आधार पर इस घटना को अंजाम देने वाले अपराध कर्मी महेश कुमार मंडल ग्राम जोरडीहा थाना रामगढ़,हीरालाल मंडल उर्फ मांगू उर्फ मधु मंडल ग्राम दामोडीह थाना रामगढ़ तथा ताला सोरेन ग्राम अमडा पहाड़ी को चिन्हित करते हुए गहराई से पूछताछ की गयी। इस दौरान बाइक चोर गिरोह के सरगना हीरालाल मंडल उर्फ मांगू उर्फ़ उर्फ़ मेघु के निशानदेही पर खटंगी,मजडीहा,अमडापहाडी तथा पाकुड़ एवं दुमका जिला में बेची गई उन सभी सात बाईको को भी बरामद किया गया है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि सभी बरामद वाहनों का सत्यापन किया जा रहा है। बाइक चोर गिरोह में शामिल अन्य लोगों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा तथा पकड़े गए लोगों को सख्त से सख्त सजा दिलाने का प्रयास पुलिस करेगी। बता दें कि रामगढ़ थाना क्षेत्र में बाइक चोरी की घटना रुकने का नाम नहीं ले रही थी। बाइक को चोरी करने के बाद आरोपी बाइकों को ओने,पौने दामों में पाकुड़ एवं दुमका जिले में बेच दिया करते थे जिस पर कोयला तथा अन्य सामग्री की ढुलाई की जाती है। पुलिस के इस कार्रवाई से शायद अब रामगढ़ में बाइक चोरी की घटना पर अंकुश लग सकता है। छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी जरमुंडी आमोद नारायण सिंह पुलिस निरीक्षक काठी कुंड प्रभाग सुशील कुमार थाना प्रभारी अरविंद कुमार राय पुअनि अनुज कुमार सिंह बृज कुमार राय, स.अनि विकास बास्की इंतेखाब आलम, हवलदार बाबूराम मार्डी, अशोक यादव आरक्षी मनोज कुमार सिंह, सुधीर लेयांगी ,प्राण टुडू ,सुजीत बोयपाई ,मनमोहन झा ,राजीव कुमार एवं साक्षर आरक्षी अजय कुमार सिंह शामिल थे।

सभ्य समाज का निर्माण करने के लिए नारी शक्ति को जगाना जरूरी है: गंगाधर

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज जिला दुमका की ओर से 10 सितंबर को आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम की तैयारी को लेकर विश्वकर्मा समाज के महिला मोर्चा की बैठक बागान पाड़ा रविंद्र शर्मा के घर पर जिला अध्यक्ष गंगाधर शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। सभा को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष गंगाधर शर्मा ने कहा कि नारी में अद्भुत क्षमता होती है सभ्य समाज का निर्माण करने के लिए नारी शक्ति को जगाना जरूरी है नारी को जगत जननी कहा गया है अब समय आ गया है हुनरमंद महिलाओं को चारदीवारी से बाहर निकालने का और समाज के विकास में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ चलने का। कोषाध्यक्ष अरुण शर्मा ने कहा कि बच्चों को मोबाइल लत लगने से

उनके आंखों में दुष्प्रभाव पड़ रहा है इससे बच्चों को बचाने के लिए महिलाओं को उन पर विशेष ध्यान देना होगा। महिला महासचिव सोनम कुमारी ने कहा कि महिलाओं को रोजगार से जोड़ने की आवश्यकता है सरकार को ऐसी योजना चलानी चाहिए जिससे घरेलू महिलाओं को भी रोजगार मिल सके। रूबी शर्मा ने कहा कि समाज के विकास में हम महिलाएं भी पीछे नहीं रहेंगे। सभा को सिंपी शर्मा और सोनी शर्मा ने भी संबोधित किया। महिला जिला कमेटी का विस्तार करते हुए कार्यसमिति में सोनी शर्मा, सिंपी शर्मा, लक्ष्मी देवी, बबीता शर्मा और सुनीता शर्मा को शामिल किया गया। बैठक में प्रदेश महासचिव जयप्रकाश शर्मा, जिला संरक्षण अनंत शर्मा, जिला महासचिव रविंद्र शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष अरुण शर्मा, महिला जिला महासचिव सोनम कुमारी, पंचायत समिति सदस्य राजीव शर्मा, रेनू देवी, पायल शर्मा, रेखा देवी, पुष्पा देवी, सुनीता शर्मा, पुतुल देवी, शारदा देवी, शांति देवी, पूजा देवी, उर्वशी देवी, मुकेश शर्मा, अहिल्या देवी समाज के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। मंच का संचालन अरुण शर्मा ने किया।

देवघर महाविद्यालय देवघर में कई विषयों में सीट बढ़ाने की मांग

देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सिदो कान्हो मुर्मू विश्वविद्यालय के छात्र संघ के पूर्व सचिव सह पूर्व विश्वविद्यालय सीनेट सदस्य विश्वराज सिंह ने देवघर महाविद्यालय देवघर के वैसे छात्र छात्राओं से

मुलाकात किया ।जिन्होंने चांसलर पोर्टल पर स्नातक में नामांकन हेतु आवेदन किया है। किंतु सभी विषयों में सीमित सीट होने कारण छात्र छात्राओं को बड़े पैमाने पर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है । जिसमे वैसे भी छात्र छात्रा है जिन्होंने सी यू ई टी का भी परीक्षा दिया है।कुछ ऐसे भी छात्र है जिनका नामांकन सूची ने नाम आने के बावजूद भी नामांकन नहीं हुआ है। एवम कुछ छात्र ऐसे भी है जिनका नामांकन सूची में नाम नहीं आया है। जिस पर छात्र संघ के पूर्व सचिव ने डीएस डब्ल्यू से देवघर महाविद्यालय देवघर में कई विषयों में सीट बढ़ाने का मांग किया है।छात्र संघ के सचिव ने कहा की विश्वविद्यालय शुरू से छात्र हित में कई बड़े फैसले पहले भी लिए है और आगे भी लेंगे । यदि सीटों की संख्या नहीं बढ़ती है तो छात्र छात्राएं बड़े पैमाने पर मानसिक रूप से पीड़ित हो जायेंगे । विश्वराज सिंह ने इस सिलसिले में देवघर महाविद्यालय के प्राचार्य से भी छात्र छात्राओं से मुलाकात किया एवम मौखिक रूप से इस समस्या से अवगत कराया ।

जनता दरबार में उपायुक्त मृत्युंजय कुमार ने लोगों से की सीधी संवाद

लिट्टीपाड़ा(पाकुड)/झारखंड देखो।

आने वाले गर्मी के मौसम तक लिट्टीपाड़ा प्रखण्ड क्षेत्र में पेयजल की समस्या का हर सम्भव समाधान करने का प्रयास करूंगा. प्रखण्ड क्षेत्र के सभी गावो की पानी की समस्या से सम्बंधित सर्वे पेयजल व स्वच्छता विभाग के अधिकारियो से करवाऊँगा. साथ ही जिन गावों तक पहुँच पथ नही है,का भी सर्वे आरईओ से करवा कर सड़क बनाने के दिशा में कार्य किया जाएगा. तक उक्त बातें उपायुक्त मृत्युंजय कुमार वर्णवाल ने लिट्टीपाड़ा प्रखंड परिसर में आयोजित जनता दरबार मे लोगो की सीधी संवाद में कही. उपायुक्त ने एक एक ग्रामीण व जनप्रतिनिधि से गांव की समस्या से अवगत हुए. उन्होंने कहा मैं इस दरवार में आप से सीधे बातचीत कर आपकी दुख दर्द को जानकर समाधान करने आया हु. आप बेहिचक अपनी समस्या रखे. उन्होंने कहा लिट्टीपाड़ा एक पहाड़ी क्षेत्र है और पानी का स्रोत भी निचले स्तर पर है. जिसका समाधान करना हमारी प्राथमिकता होगी. पहाड़ी क्षेत्र की वजह से गावो तक सड़के भी नही है. जिसकी वजह से भी समस्या का समाधान नही हो पा रहा है. उन्होंने कहा कि आरईओ व सम्बन्धित सड़क निर्माण विभाग से सम्पूर्ण प्रखण्ड क्षेत्र के पथ विहीन गावों का सर्वे करवा कर आवश्यकता अनुसार सड़क

का निर्माण करवाया जाएगा. पर इस कार्य मे समय लगेगा. उन्होंने पेयजल व स्वच्छता प्रमण्डल के कार्यपालक अभियंता को क्षेत्र में खराब पड़े चापाकल दुरुस्त करने का निर्देश दिया. वही करमाटार पंचायत के मासधारी के ग्राम प्रधान बेदा पहड़िया के शिकायत पर उपायुक्त ने कनीय अभियंता जेम्स मुर्मू को अविलम्ब डीप बोरिंग में पानी है कि नही जांच कर स्टीमेट रीभाइज कर कार्य करने का निर्देश दिया. बड़ा सरसा पंचायत के जीतपुर के ग्राम प्रधान शंकर मुर्मू ने कहा प्राथमिक विद्यालय में चापाकल से गन्दा पानी निकलता है. उपायुक्त ने कनीय अभियंता जैम्स मुर्मू को चापाकल का पानी जांच कराने का निर्देश दिया. जोरडीहा पंचायत के मुखिया जोसेफ मालतो ने उपायुक्त से कहा आजादी के 76 साल हो गए, पर आज तक हमारे गाँव अमरबिठा मे विकास की किरण नही पहुँची है. सड़क नही होने की वजह से आज तक कोई अधिकारी हमारे गाँव नही पहुचे है. हुजूर हमारे गांव तक सड़क बनवा दे और कुछ नही चाहिए. लिट्टीपाड़ा पंचायत के मुखिया शिव टुडु ने कहा लिट्टीपाड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों का प्राथमिक उपचार कर सीधे रेफर सदर अस्पताल कर दिया जाता है. और सदर अस्पताल के चिकित्सक भी मरीज को भर्ती नही लेना चाहता है और न इलाज करता है. कहता सीट खाली नही है बाहर ले जाओ. मुखिया ने का 16 अगस्त को मैं एक पेशेंट को सदर अस्पताल ले कर गया था. जहाँ मरीज की सीट नही दिया और इलाज भी डॉ नही करना चाहता था. मैंने मरीज को जमीन पर लेटा दिया और जबरजस्ती इलाज करवाया. जो स्वस्थ हो गया। उपायुक्त ने सिविल सर्जन को तुरंत ऐसे डॉ को चिन्हित कर करवाई करने का आदेश दिया. उपायुक्त ने कहा जिले के सभी प्रखण्ड के अस्पताल में दो दो चिकित्सक व पारा कर्मी को तैनात करूंगा।. जामजोड़ी के मुखिया रसका हांसदा ने कहा कि नया राशननकार्ड बनाने के लिए ऑन लाईन करने के बाबजूद जल्दी से कार्ड नही बनता है. जिला आपूर्ति पदाधिकारी संजय कुमार ने कहा कि ये टेक्निकल इशू है.जिसे जल्द ही समाधान कर लिया जाएगा. मौके पर उप विकास आयुक्त सहित अन्य उपस्थित थे.

संक्षिप्त समाचार

देवघर से चोरी हुई ट्रक हिरणपुर में पकड़ाया

- चोर को भी रंगेहाथ पकड़ा गया

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो। देवघर से चोरी हुई ट्रक को सोमवार को हिरणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रानीपुर पेट्रोल पंप निकट स्थानीय लोगो ने पकड़कर आरोपी चोर सहित ट्रक को पुलिस के हवाले किया। वही सूचना पाकर मौके पर पहुंचे खागा देवघर थाना के पुलिस आकर जब्त वाहन को अपने कब्जे में लिया। सोमवार दोपहर को रानीपुर पेट्रोल पंप निकट स्थानीय लोगो ने एक नए ट्रक संख्या जेएच 10 बीएन 9941 को खड़े पाया। ट्रक के सामने नम्बर प्लेट में गोबर लीपा हुआ था। वही ट्रक के तेल टँकी का ढक्कन खुला हुआ था। इसको लेकर स्थानीय लोगो को शंका हुई। तब लोगो ने ट्रक चालक मालदा टाउन बंगाल निवासी इंसान शेख (32) को पकड़ा। जो पकड़े जाने के डर से भाग रहा था कि स्थानीय लोगो ने कुछ दूरी में स्थित खेतो से पकड़ा। इसी बीच ट्रक में रहे अन्य दो व्यक्ति मौके से भाग निकला। स्थानीय लोगो ने ट्रक सहित आरोपी चोर को पुलिस के हवाले कर दिया। गिरफ्त में आये चोर ने स्वीकार किया कि ट्रक मालिक खागा थाना क्षेत्र अंतर्गत आसना गांव निवासी आबू तालिब है। जिसके घर से रविवार की रात चोरी की गई थी। उधर खागा थाना प्रभारी अजय कुमार यादव से दूरभाष पर सम्पर्क करने पर बताया कि रात को ट्रक की चोरी हुई थी। इसको लेकर थाना में मामला दर्ज की गई है। वही हिरणपुर थाना प्रभारी विनोद सिंह ने बताया कि स्थानीय लोगो की मदद से आरोपी चोर को ट्रक सहित पकड़ा गया। जिसे खागा थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया। बहरहाल रानीपुर के स्थानीय लोगो की सहयोग से घटना के करीब 12 घण्टे के अंदर ट्रक सहित चोर को पकड़ने में पुलिस ने कामयाबी हासिल किया।

एनएच के खाई को श्रमदान कर भरा गया, हिरणपुर सुभाष चौक निकट मुख्य सड़क में बन गई है गहरी खाई

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो। हिरणपुर बाजार निकट सुभाष चौक स्थित मुख्य सड़क में गहरी खाई बन जाने से आवागमन में लोगो को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था। जो बीते कई माह से जस की तस स्थिति में पड़ा हुआ था। इसको लेकर स्थानीय समाजसेवी पंचायत समिति सदस्य विकास कुमार दास , चन्दन भगत व बापिन दत्ता ने अपने स्तर से सोमवार को खाई को भरने का कार्य किया। यह सड़क पूर्व में पीडब्लूडी के अधीनस्थ था। जिसे अपग्रेड कर राष्ट्रीय राजमार्ग में अपग्रेड किया गया था। पर वर्तमान में रानीपुर से लेकर हिरणपुर बाजार सहित हाईस्कूल मोड़ , रामनाथपुर , तोड़ाई आदि जगहों में सड़क की स्थिति जर्जर बन गई है। सबसे भयावह स्थल तो सुभाष चौक निकट बनी हुई है। जहाँ सड़क के बीचोबीच करीब 20 फिट लंबी -चौड़ी गहरी खाई बन गई है। जिससे काफी मात्रा में जलजमाव बना रहता है। सरकारी मवेशी हाट से पानी बहकर समूचे मुख्य सड़क होकर गुजरती है। जिससे बाजार स्थित मुख्य सड़क दुर्गन्धमय बना हुआ है। जिसकारण लोगो मे काफी नाराजगी देखी जा रही है। वही इसको लेकर सम्बन्धित विभाग मौन साधे हुए है। जबकि इस सड़क से पदाधिकारियो की भी वाहन गुजरती है। सड़क में बने खाई के कारण राहगीरों के अलावे वाहन चालकों को भी काफी कष्ट झेलना पड़ रहा है। वही कोई बड़ी दुर्घटना होने की भी अंदेशा बनी हुई है। जब किसी ओर से सड़क को दुरुस्त नही की गई तो स्थानीय समाजसेवियों ने यह बीड़ा उठाते हुए ट्रेक्टर से मिट्टी , डस्ट व पत्थर लाकर खाई को भरने का कार्य किया गया। जिसकारण लोग समाजसेवियों की प्रशंसा कर रहे है। पंचायत समिति सदस्य ने बताया कि काफी माह से सड़क में खाई बनी हुई थी। जिसमे जलजमाव के कारण लोगो को काफी कष्ट का सामना करना पड़ रहा था। लोगो की समस्याओं को देखते हुए सेवा भाव से यह कार्य की गई है। जिससे कि आवागमन में कोई परेशानी न हो।

लिट्टीपाड़ा प्रखंड में आमजनों की समस्या से रूबरू हुए उपायुक्त, पदाधिकारियों को दिये निर्देश

पाकुड़/झारखंड देखो।

सोमवार को उपायुक्त की अध्यक्षता में लिट्टीपाड़ा प्रखंड परिसर में जन संवाद-सह-जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। उपायुक्त ने कहा कि जन संवाद-सह- जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को ज्यादा से ज्यादा सुविधा मुहैया कराया जाना है। साथ ही ग्रामीण इससे योजनाओं का लाभ व जानकारी भी ले सकें। उक्त बातें जिले के उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने कही। डीसी ने जनता दरबार में आये लोगों की समस्याओं को सुना। विभिन्न पंचायतों से आए लोगों ने अपनी समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया।

जनता की समस्याओं का समाधान हो सबकी प्राथमिकताः उपायुक्त

जनता दरबार में मुख्यतः पानी की समस्या, रोड की समस्या, स्वास्थ्य, राशन वितरण आदि से संबंधित शिकायत प्राप्त हुए हैं। उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार कार्यक्रम में मुख्यतःपानी एवं रोड की समस्या के आवेदन ज्यादा प्राप्त हुए हैं। उपायुक्त ने कहा कि लिट्टीपाड़ा प्रखंड पहाड़ी क्षेत्र है। पहाड़ी क्षेत्र रहने के कारण यहां गर्मियों के दिनों में पानी की समस्या बहुत ज्यादा उत्पन्न होती है। लिट्टीपाड़ा प्रखंड अंतर्गत जितने भी चापाकल खराब पड़े हैं उसे जल्द से जल्द ठीक किया जाएगा। वहीं उन्होंने सड़क की समस्याओं को लेकर कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की सड़क की समस्याओं को जल्द दूर किया जाएगा। कहा कि लिट्टीपाड़ा में सड़क निर्माण को लेकर जल्द सर्वे कराकर निर्माण कार्य के लिए पहल किया जाएगा।

वहीं उपायुक्त ने प्रखंड परिसर में पौधरोपण किया। साथ ही उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगों से भी अधिक से अधिक संख्या में पौधा लगाने की अपील की। मौके पर उप विकास आयुक्त मो० शाहिद अख्तर, सहायक समाहर्ता कृष्णकांत कनवाड़िया, सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, जिला आपूर्ति पदाधिकारी संजय कुमार दास, जिला शिक्षा पदाधिकारी रजनी देवी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, जिला कल्याण पदाधिकारी विजन उरांव, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग राहुल श्रीवास्तव, जिला कृषि पदाधिकारी अरुण कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी संजय कुमार, एसएमपीओ पवन कुमार, बीपीओ मानिक दास, बीपीआरओ के.सी दास समेत अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

बांका से ला रहे 53 मवेशी को पुलिस ने पकड़ा, मामला दर्ज

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो।

मवेशियों की अवैध कारोबार हिरणपुर में चरम पर है। जहाँ लोगो द्वारा बेखौफ होकर इस धंधे को अंजाम दे रहा है। सोमवार को गुप्त सूचना पर हिरणपुर पुलिस ने रानीपुर मोड़ निकट मुख्य सड़क में रविवार की रात 53 बैल को पकड़ा। वही मवेशियों को ला रहे लोग मौके से भाग निकला। इसको लेकर प्रखंड पशु चिकित्सा पदाधिकारी कल्पना सिंह ने थाना में लिखित आवेदन दी है। पुलिस द्वारा मामला दर्ज करने की प्रक्रिया किया जा रहा था। मवेशियों को बांका हाट (गोड्डा) से लाया जा रहा था कि पुलिस ने गुप्त सूचना पर रात साढ़े 10 बजे रानीपुर निकट मुख्य सड़क में पकड़ा। किसी व्यक्ति ने मवेशियों

से सम्बंधित किसी प्रकार की पास व अन्य कागजात प्रस्तुत नही कर पाया। इसको लेकर प्रखंड पशु चिकित्सा पदाधिकारी थाना आकर जब्त मवेशियों की स्वास्थ्य जांच किया गया। इस घटना को लेकर अंचलाधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। इसको लेकर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। वही थाना प्रभारी विनोद सिंह ने बताया कि मामला दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही है। जब्त मवेशियों को चाकुलिया स्थित गौशाला में भेजा जाएगा। बताते चले कि मवेशियों की अवैध कारोबार इन दिनों काफी फलफूल रहा है। जो दिन के साथ साथ रात को भी झुंड के झुंड लाया जा रहा है। इसको लेकर प्रशासन को सख्ती करना आवश्यक है।

बदरूल शेख ने लाइफ सेवियर्स समूह के बैनर तले किया दूसरी बार रक्तदान

पाकुड़/झारखंड देखो।

सदर अस्पताल सोनाजोडी में इलाजरत कुमारपुर निवासी बेबी बेगम। शरीर में एकदम खून की कमी होने के कारण बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिसके चलते मरीज को ए पॉजिटिव रक्त की अत्यंत आवश्यकता पड़ी। इसीलिए मरीज के परिजनों ने लाइफ सेवियर्स समूह से मदद मांगी। तभी समूह के सक्रिय सदस्य मसीहुर रहमान के कहने पर कुलापहाड़ी, संग्रामपुर निवासी 32 वर्षीय बदरूल शेख ने बिना कुछ सोचे महिला की मदद करने के लिए तैयार हो गए।और रक्तदान करने के लिए हामी भर दी।फिर बदरूल को समूह के सक्रिय सदस्य मसीहुर ने रक्त अधिकोष ले जाकर रक्तदान कराया। तभी जाके

मरीज का इलाज संभव हो पाया। रक्तदाता बदरूल शेख का कहना है कि यह मेरी दूसरी दफा रक्तदान है। और आगे भी रक्तदान करता रहूंगा। बदरूल ने ये भी कहा कि आप सब भी जरूर रक्तदान करे। ये एक बेहतरीन मौका है किसी के रगो में जिंदा रहने का। मौके पर समूह के सक्रिय सदस्य मसीहुर रहमान,वकील शेख और रक्त अधिकोष के कर्मचारी पियूष और नवीन जी मौजूद रहे।

राशन की कालाबाजारी करनेवाले पीडीएस डीलरों की खैर नहीं, शिकायत सही पाये जाने पर रद्द होगा लाइसेंसः डीसी

उपायुक्त ने कहा कि जिले के साढ़े आठ लाख कार्डधारियों को सरकार द्वारा तय मात्रा में राशन मिले यह सुनिश्चित करें

पाकुड़/झारखंड देखो।

केकेएम कॉलेज सभागार में फेयर प्राइस शॉप डीलर को जागरूक करने हेतु एक दिवसीय सेमिनार-सह कार्यशाला का आयोजन उपायुक्त श्री मृत्युंजय कुमार बरणवाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस कार्यशाला में सभी जन वितरण प्रणाली के विक्रेताओं को निर्देश देते हुए उपायुक्त ने कहा कि खाद्यान्न का वितरण पारदर्शी तरीके से किया जाए। पीडीएस डीलरों को सख्त हिदायत दी गई कि सरकार द्वारा तय मात्रा में ही सभी कार्डधारियों को राशन मिले यह सुनिश्चित करें। साथ ही राशन के साथ अनिवार्य रूप से पर्ची भी लाभुकों को देने का निर्देश दिया गया। उन्होने कहा कि ऐसी भी शिकायतें मिल रही है जिसमें तीन बार अंगूठा लगाकर दो महीने का राशन दिया गया। डीलरों को इस तरह का काम से बचने की सलाह दी गई। इसके साथ ही सभी पीडीएस डीलरों को शत प्रतिशत राशन वितरण करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने बताया कि सभी जन वितरण प्रणाली दुकानों

में पोस मशीन से राशन वितरण करें। सभी जन वितरण प्रणाली के दुकानदार लाभुकों के बीच ससमय राशन का वितरण करें। खाद्यान्न वितरण में कटौती तथा लाभुकों के साथ लापरवाही बरतने पर वैसे दुकानदारों से सख्ती के साथ निपटा जाएगा। राशन की कालाबाजारी करने और लाभुकों को कम सामग्री देनेवाले जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) डीलरों को बख्शा नहीं जाएगा।इस तरह के मामलों में शिकायत सही पाये जाने पर उनका लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी। डीसी ने बताया कि ट्रांसपोर्टर के द्वारा जो भी आनाज वितरण किया जाता है उसे सही रूप से लाभुकों को वितरण करें। लाभुक एवं डीलर को किसी भी प्रकार की समस्या हो वह डायरेक्ट मुझसे संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते है। गक्त पाए जाने पर उस डीलर एवं अधिकारी पर कार्रवाई की जाएगी। लाभुक समस्या पर अनाज लाभुक को मिल जाय। अभी जो 99 प्रतिशत अनाज का वितरण किया जा रहा है। 13 हजार लाभुकों को जीपीडीपी के माध्यम से अनाज दिया गया है।इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है आपका जो अधिकार है उस पर आवंटित किया गया है उसे ही वितरण करें। कम भी वितरण नहीं, ना अधिक वितरण करें। मौके पर सहायक समाहर्ता कृष्णकांत कनवाड़िया, जिला आपूर्ति पदाधिकारी संजय कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, एसएमपीओ पवन कुमार, सभी एमओ एवं जिले के सभी डीलर उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

कुलपति ने किया डॉ धुनी सोरेन की आत्मकथा पुस्तक का विमोचन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डॉ. विमल प्रसाद सिंह ने डॉ. धुनी सोरेन का आत्मकथा ''एन अनलाइकली टेल ऑफ ए संताल विलेजर इन इंग्लैंड'' पुस्तक का विमोचन किया. यह पुस्तक वालनट पब्लिकेशन द्वारा प्रकाशित किया गया है जिसमें डॉ. सोरेन ने अपने जीवन के तमाम अनुभवों को साझा किया है. इस पुस्तक में कुल 25 अध्याय हैं जिसमें उन्होंने बताया है कि वह कैसे झारखंड का एक छोटे से गावं से निकल कर इंग्लेंड तक पहुँचें. पुस्तक विमोचन पर कुलपति प्रो डॉ. विमल प्रसाद सिंह ने कहा कि डॉ. धुनी सोरेन जी का जीवन संघर्ष को यह पुस्तक अपने आप में बहुत अच्छे से सारगर्भित करती है. सभी को डॉ. सोरेन का आत्मकथा ''एन अनलाइकली टेल ऑफ ए संताल विलेजर इन इंग्लैंड'' एक बार अवशय पढ़ना चाहिए. हमारे विश्वविद्यालय के बच्चे भी डॉ सोरेन के जीवन संघर्ष को बेहतर तरीके से जान सके और उनसे प्रेरणा ले सकें, इसके लिए विश्वविद्यालय में डॉ. धुनी सोरेन जी का एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया जायेगा.

● कौन हैं डॉ. धुनी सोरेन ?

डॉ. धुनी सोरेन का जन्म 1935 में गोड्डा जिले का एक जनजाति बाहुल्य प्रखंड बोआरीजोर में हुआ. उन्होंने जीवन का आरंभिक शिक्षा गांव से प्राप्त करने के बाद दुमका जिला स्कूल से दसवीं पास किया तत्पश्चात वे पटना साइंस कॉलेज पहुँचें, वहाँ से शिक्षा प्राप्त करने के बाद कुछ समय जामताड़ा में असिस्टेंट सिविल सर्जन के पद पर काम किए और फिर पहली बार उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए 1965 इंग्लैंड पहुचें. अपनी उच्च शिक्षा पूर्ण करने के बाद वहीं पर डॉक्टरी करने लगे. अब सामाजिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्य कर रहे हैं. डॉ. धुनी सोरेन भले ही इंगलैंड में रहते हैं परन्तु अपने गांव, देश का मोह अभी भी उनके रग-रग में बसा हुआ है. साल में एक-दो बार भारत आकर अपनी सभ्यता व संस्कृति से भी जुड़े रहते हैं।पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजय कुमार सिन्हा, डॉ. धुनी सोरेन, राकेश, शिल्पी, इमानी, सनातन मुर्मू एवं मीडिया कर्मी उपस्थित थे.

दुमका कोर्ट में विधायक दीपिका पांडेय सहित 5 आरोपी की हुई पेशी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका । गोड्डा के महागामा से कांग्रेस विधायक दीपिका पांडेय सिंह सहित 5 आरोपी ने सोमवार को दुमका कोर्ट के एसडीजेएम जितेंद राम की अदालत में पेशी दी. बता दें कि मामला 2019 का है जब उत्तर प्रदेश में कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में गोड्डा के मेहरमा में विधायक ने सड़क पर उतर कर विरोध जताया था. नाजायज मजमा लगाकर सड़क जाम के आरोप में विधायक सहित 5 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज हुई थी. कोर्ट में सभी का बयान दर्ज हुआ. 29 अगस्त को बहस के बाद अदालत अपना फैसला सुनाएगी.दीपिका के अधिवक्ता प्रतीक झा ने बताया कि वर्ष 2019 में उत्तर प्रदेश में प्रियंका गांधी की गिरफ्तारी हुई थी. पूरे देश में कांग्रेस ने विरोध प्रदर्शन किया था. विधायक ने मेहरमा में सड़क जाम कर विरोध जताया था. बाद में उनके अलावा चंद्रकला देवी, नयन कुमार, जावेद अख्तर व अंजु लता देवी के खिलाफ नाजायज मजमा लगाकर सड़क जाम करने का मामला दर्ज किया गया. सभी आरोपी सोमवार को अदालत में पेश हुए. गवाही पूरी हो चुकी है, इसलिए उन सभी का बयान दर्ज किया गया. अब 29 को फाइनल बहस होने के बाद अदालत अपना फैसला सुनाएगी.

निःशुल्क डाक बम सेवा शिविर का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। लायंस क्लब दुमका स. प. की ओर से कुरमाहाट हंसडीहा मार्ग से बासुकीनाथ मोड़ तक निःशुल्क डाक बम सेवा शिविर का आयोजन किया गया। मौके पर क्लब के सदस्यों ने डाक बम कांवरियों के बीच फल, चाय,शरबत,आयोडेक स,मूव स्प्रे,दर्द की दवा,नींबू,ठंडा पानी,गर्म पानी एवं बोतलबंद पानी का वितरण कर डाक बम कांवरियों की सेवा की।डाक बम कांवड़ियों ने क्लब द्वारा किए गए सेवा कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा की। मामले में क्लब के अध्यक्ष लायन डा शमीम अंसारी ने बताया कि हम सभी क्लब के सदस्य प्रत्येक रविवार को डाक बम कांवरियों के बीच सेवा देते आ रहे हैं। डाक जल की महत्ता काफी अधिक है।कठिन साधना के बाद बाबा पर जलार्पण कर डाक कांवरियों अद्भूत अनुभूति प्राप्त होती है। क्लब के सचिव लायन प्रदीप्तो मुखर्जी ने बताया कि मनोकामना पूर्ति के लिए डाक बम कांवरिया जल लेकर जाते है।बाबा सब कुछ देते है।इच्छित फल पाने के लिए डाक जल की अलग महत्ता है।कांवरियों के सेवा कार्य के लिए क्लब के अध्यक्ष लायन डॉक्टर शमीम अंसारी,लायन डॉ मनोज कुमार घोष,लायन प्रदीप्तो मुखर्जी,लायन संजीव कुमार गुप्ता, लायन डॉ अमिता रक्षित,लायन चंदन कुमार साह,लायन सतीश कुमार, लायन सुमन कुमार साह,मधुकर दत्ता,लायन रंजीता देवी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे ।

विश्वविद्यालय में किया गया उधमिता दिवस कंा आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। विश्व उद्यमिता दिवस के अवसर पर सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग में सोमवार को छात्र-छात्राओं के बीच निबंध और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. निबंध प्रतियोगिता का विषय '' वर्तमान परिपेक्ष में उधमिता का महत्व'' रखा गया था. प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया.भाषण प्रतियोगिता का आरम्भ स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पी पी सिंह के अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ हुआ. स्नातकोत्तर अंग्रेजी विभाग के छात्र राजेश कुमार नायक ने स्वागत भाषण दिया और विषय प्रवेश कराया, ततपश्चात विभाग के कई छात्र-छात्राओं ने उधमिता के विभिन्न परिपेक्ष पर अपना भाषण दिया . विभाग के सहायक प्राध्यापिका ने अपना संबोधन में उधमिता के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए, वर्तमान समय में उधमिता की महता से छात्र-छात्राओं को परिचित करायी. डॉ. पी पी सिंह ने अपना अध्यक्षीय भाषण में छात्र-छात्राओं से कहा स्वावलंबी बनाने के लिए उधमिता एक अच्छा मार्ग है. उन्होंने अपना वक्तव्य में उधमिता विकाश के लिए सरकार द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न योजनाओं के बारे में बच्चों को बताया और कहा और आप एक उद्यमी बनाना चाहते हैं तो आपके लिए बहुत से साहयता उपलब्ध है. मंच संचालन विभाग की छात्रा कोचिता सोरेन ने की।कार्यक्रम में प्रो. सेमी विक्टर मरांडी, राकेश कुमार, कोंचिता सोरेन,सीमा सोरेन, आसिष चौधरी, पूजा विदाई, इंदु मुर्मू, शिवम आनंद, प्रियंका सोरेन, विकाश कुमार, निलेश ठाकुर, नीलू मरांडी, अंकिता राज, प्रिया हंसराज, ज्योति रानी, अमन कुमार सहा आदि छात्र-छात्राएं उपस्थित थे.

विद्यालय से समरसेबल पम्प एवं पाइप चोरी मामले का पुलिस ने किया उद्भेदन, दो गिरफ्तार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के इंदरबनी उत्क्रमित मध्य विद्यालय से बीते माह समरसेबल पम्प एवं पाइप चोरी मामले का शिकारीपाड़ा पुलिस ने उद्भेदन कर लिया है। ज्ञात हो कि 24 जुलाई 2023 को उत्क्रमित मध्य विद्यालय इंदर बनी के प्रधानाध्यापक पूर्णिमा तिवारी के लिखित बयान पर चोरी के मामले में शिकारीपाड़ा पुलिस ने अज्ञात के विरुद्ध थाना कांड संख्या 81/ 23 दर्ज किया था। जिसमें आखिरकार एक माह में पुलिस को सफलता प्राप्त हो गयी है। पुलिस ने शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के झुरको निवासी मुकेश मल्लक एवं अरुण बागती को शनिवार को ही गिरफ्तार कर थाना लाया एवं उनसे पूछताछ शुरू की ।पूछताछ के क्रम में मिली जानकारी पर पुलिस ने अरुण बागती के घर से चोरी किया गया पाइप एवं समरसेबल पम्प बरामद कर लिया है। सोमवार को दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

संक्षिप्त समाचार

135305 श्रद्धालुओं ने किया बाबा फौजदारी नाथ पर जलार्पण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। 21 अगस्त को 135305 श्रद्धालुओं ने बाबा फौजदारी नाथ पर जलार्पण किया।शीघ्र दर्शनम से 3562 श्रद्धालुओं ने जलार्पण किया है।शीघ्र दर्शनम से 1068600 रुपये प्राप्त हुआ।दान पेटी से 125670 रुपये,गोलक से 48260 रुपये तथा अन्य स्रोत से 7402 रुपये प्राप्त हुए। हुए।चांदी का सिक्का 10 ग्राम 1 पीस तथा 5 ग्राम 3 पीस बिका है ।

सावन माह की तीसरी सोमवारी को बासुकीनाथ धाम बड़ी संख्या में पहुँचे श्रद्धालु

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। उपायुक्त ए दोड्डे पूरे देर रात्रि से मेला क्षेत्र की विधि व्यवस्था पर नजर बनाये हुए हैं ।उपायुक्त द्वारा समय समय पर मेला में प्रतिनियुक्त अधिकारियों को दिया जा रहा है निदेश।देर रात्रि से ही कतारबद्ध होकर श्रद्धालु बाबा का जलार्पण करने का कर रहे थे इंतज़ार।

श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए सभी चेक पॉइंट पर सुरक्षा बल के जवान तथा दंडाधिकारी अपने अपने कर्तव्यस्थल पर उपस्थित थे ।सरकारी पूजा के बाद लगभग प्रातः 3 बजकर 35 मिनट से श्रद्धालु अर्घा के माध्यम से बाबा का जलार्पण कर रहे हैं।स्वास्थ्य विभाग की टीम, सूचना सहायता कर्मी देर रात्रि से ही अपने अपने कर्तव्यस्थल पर उपस्थिति दिखे।कंट्रोल रूम में अधिष्ठापित सीसीटीवी के माध्यम से संपूर्ण मेला क्षेत्र पर नजर रखी जा रही है।श्रद्धालु एक जगह पर एकत्रित नहीं हों,तथा वे सुगमतापूर्वक जलार्पण कर सकें इसका विशेष ध्यान रखा जा रहा है ।जलार्पण काउंटर के माध्यम से भी श्रद्धालु जलार्पण कर रहे हैं ।

जलार्पण काउंटर से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने किया जलार्पण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सावन माह की तीसरी सोमवारी को बाबा फौजदारी नाथ की नगरी श्रद्धालुओं के जयकारों से गूंज रहा था।हर हर महादेव और बोल बम का नारा लगाते हुए सभी श्रद्धालु अपने आराध्य को जलार्पण करने के लिए कताबद्ध हो रहे थे।हाथ मे पवित्र गंगाजल लिए बाबा के भक्त जलार्पण करने के लिए अपनी बारी का इंतज़ार कर रहे थे।सरकारी पूजा के बाद जैसे ही जलार्पण प्रारंभ हुआ श्रद्धालु नयी ऊर्जा के साथ बाबा मंदिर प्रांगण की ओर हर हर महादेव के नारों के साथ बढ़ रहे थे।इसी क्रम में कई श्रद्धाल जो कतार में खड़े नहीं रह सकते उनके लिए मेला क्षेत्र में जलार्पण काउंटर की व्यवस्था की गई है।श्रद्धालु जलार्पण काउंटर में जल चढ़ाकर उसका सीधा प्रसारण देख सकते हैं।जलार्पण काउंटर में एलइडी टीवी लगाए गए हैं।जिससे श्रद्धालु देख सकते हैं कि वे अपना जल बाबा पर ही अर्पण कर रहे हैं।सावन की तीसरी सोमवारी को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने जलार्पण काउंटर के माध्यम से बाबा का जलार्पण किया।श्रद्धालुओं ने इतने बेहतरीन व्यवस्था के लिए जिला प्रशासन एवं राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया है।

अभाविप ने बाबा बैद्यनाथ धाम आए कांवरियों बंधुओं के लिए सेवा शिविर लगाया

देवघर/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। अभाविप देवघर द्वारा श्रावण माह के शुभ सोमवार पर देश के विभिन्न स्थानों से बाबा बैद्यनाथ धाम आए कांवरियों बंधुओं के लिए सेवा शिविर लगाया गया जिसमें विभिन्न प्रकार के फल ,नींबू पानी, सादा पानी, मुरब्बा आदि वितरण किया गया। मौके पर उपस्थित देवघर जिला प्रमुख राजेश राज एवं देवघर-जामताड़ा विभाग के विभाग संयोजक शुभम राय ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद पिछले कई वर्षों से कांवरियों की सेवा करते आ रही हैं और उसी सेवा भाव को लेकर हम लोग कांवरियों की सेवा में लगे हैं। मौके पर विभाग संगठन मंत्री उपेंद्र कुमार ,प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गोपाल पंडित ,कल्पना कुमारी, गौरव आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आरोपी की हिरासत में मौत, परिजनों ने पुलिस को जिम्मेदार ठहराया

गिरिडीह/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। 19 अगस्त की रात थाना क्षेत्र अंतर्गत छाताबाद गांव में वृद्धा अनपी देवी की हत्या कर दी गयी थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।वहीं अनपी देवी के पुत्र नागो पासी को संदेह के आधार पर हिरासत में लिया गया था।नागो से थाना में पूछताछ की जा रही थी। इसी दौरान उसकी तबियत बिगड़ी और बाद में उसकी मौत हो गयी। परिजनों का आरोप है कि रविवार शाम को घरवाले उससे मिलने के लिये थाना गये, लेकिन पुलिस ने मिलने नहीं दिया। आज सोमवार सुबह मिलने गये तो पता चला कि नागो पासी की मौत हो गयी।

अब नागो पासी की मौत को लेकर परिजनों द्वारा पुलिस को जिम्मेदार ठहराते हुए जांच की मांग की जा रही है। इधर पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपी की मौत हृदय गति रुक जाने से हुई बताई जा रही है।तबियत बिगड़ने पर उसे अस्पताल ले जाने के संबंध में जानकारी दी गई है।जहां हार्ट फेल्योर से मौत हुई।

माहुरी महिला समिति द्वारा सावन महोत्सव का आयोजन

डुमरी/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। माहुरी महिला समिति इसरीबाजार द्वारा मथुरासिनी भवन में आयोजित सावन महोत्सव कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जिप सदस्य सुनीता कुमारी एवं विशिष्ट अतिथि मुखिया रीना कुमारी शामिल हुई,कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित कर एवं कुलदेवी की वंदना के साथ हुई तत्पश्चात जिप सदस्य सुनीता कुमारी ने कहा कि सामाजिक कार्य क्षेत्र में महिलाओं की सहभागिता अनिवार्य है,वर्तमान समय में बाजार की महिलाएं काफी जागरूक हुई है तथा धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में अपनी रुचि बढ़ चढ़कर रख रही है जो एक सभ्य समाज निर्माण का संदेश देता है।इस दौरान मुख्य रूप से भाजपा नेता सुरेन्द्र कुमार माहुरी वैशय मण्डल इसरी के अध्यक्ष अरुण भदानी,दिनेश सेठ,जयप्रकाश गुप्ता,मनोज सेठ माहुरी महिला समिति अध्यक्ष संगीता सेठ कोषाध्यक्ष संगीता अठघरा,सचिव रश्मि माथुर,गीता भदानी,निधि सेठ,डोली सेठ,विजेता लोहानी सहित सैकड़ों महिलाएं उपस्थित थे।

दूमोहनवा नदी के पास दो बाइक की टक्कर में एक महिला की मौत

गिरिडीह/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। जिले में खूखरा थाना क्षेत्र अंतर्गत खरपोका पंचायत के दूमोहनवा नदी के पास रविवार देर शाम भयंकर सड़क हादसा हुआ। जिसमें दो बाइक की आपस में टक्कर हो गई।हादसे में एक महिला की मौत हो गई।कई अन्य घायल हुए।

घटना के संबंध में बताया जाता है कि दोनो बाइक की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उसके परखच्चे उड़ गए।जिसमें एक महिला जो गिरिडीह के खंडोली की बताई जा रही थी,उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। वही अन्य घायलों में से एक अधकी बरियारपुर का बताया गया।

घटना के बाद सभी को एंबुलेंस के द्वारा पीरटांड स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद सदर हॉस्पिटल गिरिडीह रेफर कर दिया गया।जिसमें से एक की हालत नाजुक बताई जा रही थी। जबकि मोहम्मद रज्जाक सहित अन्य दो की स्थिति चिकित्सकों के अनुसार सामान्य बताई गई।

दो ने लिया नाम वापस,6 उम्मीदवार डटे चुनावी समर में

डुमरी/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। निर्वाचन पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी मो शहजाद परवेज ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि नाम वापसी के लिए निर्धारित तिथि को दो अभ्यर्थियों क्रमशः झापीपा उम्मीदवार बैजनाथ महतो एवं निर्दलीय उम्मीदवार लैलुन निशा ने अपना नाम वापस ले लिया है।नाम वापसी के बाद अब छह उम्मीदवार चुनावी समर में हैं जिसके बीच चुनाव चिन्ह का आवंटन कर दिया गया है।बताया कि झामुमो के उम्मीदवार बेबी देवी को तीर धनुष छाप आजसू के अभ्यर्थी यशोदा देवी को केला छाप एआईएमआईएम के उम्मीदवार अब्दुल मोबिन रिजवी को पतंग छाप जबकि निर्दलीय उम्मीदवार कमल प्रसाद साहू को सेव छाप,रोशनलाल तुरी को बाल्टी छाप एवं नारायण गिरी को आलमीरा छाप चुनाव चिन्ह आवंटित किया गया है।

लाल हेंब्रम स्मृति फुटबॉल टूर्नामेंट 2023 का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। संताल परगना महाविद्यालय द्वारा बाबा लाल हेंब्रम स्मृति फुटबॉल टूर्नामेंट 2023 का आयोजन किया गया। इस टूर्नामेंट का फाइनल मैच शिकारीपाडा तथा एंजेल दुमका के बीच खेला गया, जिसमें शिकारीपारा विजेता घोषित हुए जबकि एंजेल दुमका उपविजेता बना। इस टूर्नामेंट के विजेता को पुरस्कार के रूप में 200000 रुपए तथा उपविजेता को डेढ़ लाख रुपए द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस टूर्नामेंट में मुख्य अतिथि के रूप में सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ विमल प्रसाद सिंह, कुलसचिव डॉ संजय कुमार सिन्हा, डीएसडब्ल्यू डॉ संजय कुमार सिंह, खेल निदेशक डॉ शम्स तबरेज खान, करहड़बिल के प्रधान, बाँसकुली के प्रधान, आयोजन समिति के सभी सम्मानित सदस्य, जिसमें मुख्य रुप से सिद्धौर , अविनाश हांसदा, प्रत्येक छात्रावास के छात्रनायक, अनिल मुर्मू, ठाकुर हांसदा, केराप मुर्मू, रवि हांसदा, निरंजन मुर्मू तथा करीब 25000 दर्शक इस टूर्नामेंट में मौजूद थे। साथ ही साथ डीएमओ के के किस्कू विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। संताल परगना महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ के पी यादव ने विजेता तथा उपविजेता टीम को बधाई दी तथा साथ ही उनके खेल की खूब प्रशंसा की।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

सरकारी नियुक्तियों के साथ-साथ स्वरोजगार के लिए भी सरकार गंभीर : हेमंत सोरेन

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि पिछले साढ़े तीन वर्ष में हमारी सरकार कई चुनौतियों के बीच मजबूत कदमों के साथ आगे बढ़ रही है। हमारी सरकार ने बिना कोई अफरा-तफरी के कोरोना संक्रमण से राज्यवासियों को बचाने का काम किया। हमारी सोच है कि हम झारखंड की जड़ को मजबूत करें। हालात जैसे भी हों राज्य में विकास के कार्य अवरुद्ध नहीं होनी चाहिए। झारखंड हर दिन विकास की नई ऊंचाइयों को छुए, इस निमित्त एक बेहतर कार्य योजना बनाते हुए राज्यवासियों की भावना के अनुरूप हमारी सरकार चल रही है।

मुख्यमंत्री सोरेन सोमवार को रेडिसन ब्लू में आयोजित ₹बदलते झारखंड की बात₹ विजन 2024 कार्यक्रम में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने हजारों की संख्या में सरकारी वैकेंसी पर नियुक्ति की है। जल्द बड़ी संख्या में और भी सरकारी नियुक्तियां की जाएंगी। झारखंड के इतिहास में पहली बार बड़ी संख्या में पशु चिकित्सक, फॉरेंसिक लैब साइंटिस्ट इत्यादि की नियुक्तियां की गई हैं। हजारों की संख्या में और भी अलग-अलग क्षेत्रों में भी सरकारी नियुक्तियां हुई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के समावेशी विकास के लिए सरकारी नौकरी की भूमिका के साथ-साथ

स्वरोजगार की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। हमारी सरकार ने ऐसे कानून भी बनाए हैं कि झारखंड में स्थापित उद्योग सेक्टर में 75 प्रतिशत स्थानीय लोगों को ही नौकरी मिले यह सुनिश्चित किए जाए। हाल के दिनों में ही हमारी सरकार ने 10 हजार से ज्यादा स्थानीय युवक-युतियों को नामी-गिरामी औद्योगिक संस्थाओं में नियोजन हेतु ऑफर लेटर देने का काम किया है। राज्य में स्वरोजगार को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत 100 करोड़ से अधिक की राशि ऋण स्वरूप लोगों के बीच वितरण की गई है, जिसका लाभ लेकर लोग स्वावलंबी बन रहे हैं।

मुख्यमंत्री सोरेन ने कहा कि राज्य में दो चरणों में ₹सरकार आपके द्वार₹ कार्यक्रम चलाया गया। यह कार्यक्रम काफी सफल भी रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य की भौगोलिक संरचना के अनुसार सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक सरकार की योजनाओं को पहुंचाना था। सोरेन ने कहा कि राज्य में बहुत ऐसे दुर्गम गांव हैं, जहां के लोग बीडीओ, सीओ, डीसी, एसपी को देखे तक नहीं हैं। हमने ऐसी चीजों को समझने का प्रयत्न किया। हमारी सरकार की सोच है कि आखिर ऐसे गांवों तक सरकार की योजनाओं को कैसे पहुंचाया जा सके।

हेमंत सोरेन ने कहा कि हमने बंद कमरों में नहीं, बल्कि लोगों के घरों तक पहुंच कर उनकी आवश्यकता के अनुरूप कार्य योजना बनाने का काम किया है, जिससे वास्तविक तौर पर योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंच रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ₹सरकार आपके द्वार₹ के दोनों चरणों में लगभग 90 लाख से अधिक आवेदन मिले। राज्य सरकार द्वारा आम जनता से प्राप्त हुए आवेदनों का लगभग शत प्रतिशत समाधान किया गया है।

झारखंड खून-पसीने से सींचा हुआ राज्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड खून-पसीने से सींचा हुआ राज्य है। झारखंड देश के अन्य राज्यों से बिल्कुल अलग है। अलग झारखंड के लिए न जाने कितने वीर पुरुषों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड राज्य को अलग हुए लगभग 22 साल हो गए हैं फिर भी यहां के मूलवासी-आदिवासियों की पहचान धुंधला सी है। आदिवासियों की संस्कृति को बचाने का पूरा प्रयास हमने किया है।

हाई कोर्ट में दुष्कर्म मामले में स्वास्थ्य मंत्री के भाई समेत 22 लोगों पर निचली अदालत में चलेगा ट्रायल

रांची,। झारखंड हाई कोर्ट ने सोमवार को जमशेदपुर के मानगो सहारा सिटी में नाबालिक से दुष्कर्म और देह व्यापार कराने के मामले फैसला सुनाया। हाई कोर्ट ने मामले में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के भाई गुड्डू गुप्ता, तत्कालीन डीएसपी और थानेदार समेत 22 लोगों को आरोपित बनाए जाने को लेकर जमशेदपुर की निचली अदालत द्वारा जारी समन को चुनौती देने वाली याचिका पर फैसला सुनाया है।

कोर्ट ने मामले में दायर सभी 16 आरोपितों की याचिका को खारिज करते हुए निचली अदालत द्वारा इन्हें मामले में आरोपित बनाए जाने के आदेश को सही ठहराया। अब आरोपितों के खिलाफ निचली अदालत में ट्रायल चलेगा। कोर्ट ने पूर्व में मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था। हाई कोर्ट

के जस्टिस संजय प्रसाद की कोर्ट ने मामले में फैसला सुनाया है। याचिकाकर्ता की ओर से वरीय अधिवक्ता एके कश्यप ने पैरवी की, वहीं पीड़िता की ओर से अधिवक्ता देवेश अजमानी ने पैरवी की।

उल्लेखनीय है कि पीड़िता की मां ने स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के भाई गुड्डू गुप्ता, तत्कालीन डीएसपी अजय केरकेट्टा और तत्कालीन एमजीएम थाना प्रभारी इमदाद अंसारी समेत 22 लोगों को आरोपित बनाने के लिए जमशेदपुर की स्पेशल कोर्ट में अर्जी दी थी। ये अर्जी कोर्ट ने मंजूर कर ली थी और सभी 22 लोगों को मामले में आरोपित बनाने और ट्रायल चलाने का आदेश दिया था, जिसे 16 आरोपितों ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी।मामला 19 जनवरी 2018 का है, जहां पीड़िता ने अदालत में बयान दर्ज कराया कि उसके साथ करीब 24 लोगों ने दुष्कर्म किया है। आरोप के बाद डीएसपी और थानेदार को लाइन हाजिर कर दिया गया था

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के चचेरे भाई पर पत्नी ने लगाया मारपीट का आरोप

बोकारो। झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन के छोटे भाई स्वर्गीय लालू सोरेन की बड़ी बहू अंजलि सोरेन ने पति नित्यानंद सोरेन, सास और दो देवर पर मानसिक प्रताड़ना और मारपीट करने का आरोप लगाया है। इस मामले में अंजली सोरेन ने बोकारो महिला थाने में शिकायत दर्ज कराई है। अंजलि सोरेन की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने अंजली के पति को नोटिस भेजा है।

सोमवार को इस बाबत अंजली सोरेन ने कहा कि पांच से छह महीना पूर्व सेक्टर 6 थाने में भी ऑनलाइन मामला दर्ज कराया था, लेकिन पुलिस ने इस पर कुछ भी नहीं किया। पति मारपीट करते हैं। हालांकि अंजलि सोरेन ने राज्य के मुखिया हेमंत सोरेन से किसी तरह का गिला शिकवा नहीं होने की बात कही है। उन्होंने कहा कि बड़े भाई और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा दो बच्चों की पढ़ाई लिखाई और परवरिश के लिए प्रत्येक महीने 10000 हजार खाते में भेजा जाता है लेकिन इस परिवार से मैं इतनी तंग आ चुकी हूं कि मेरा यहां दम घुट रहा है। मेरे पुत्र और पुत्री का भी भविष्य यहां बर्बाद हो रहा है।

अंजलि ने बताया कि 2007 में नित्यानंद सोरेन से उसको प्यार हुआ और उनसे शादी कर ली। वह मूल रूप से रांची की रहने वाली है और उसका पुराना नाम अंजलि साहू है। ससुर लालू सोरेन के मरने के बाद यह प्रताड़ना काफी तेज हो गई। विगत दो वर्षों से वह अकेली रह रही है। पति से कोई संबंध नहीं है। अंजली ने बताया कि मैं अपने पति से अलग रहती हूं, उनसे मेरा कोई संबंध भी नहीं है। उसके बाद भी वे मेरे कमरे में आकर मारपीट व गाली देते हैं। अंजलि ने बताया कि मेरे ऊपर जानलेवा हमला भी कर सकते हैं।

बोकारो महिला थाना प्रभारी शिल्पा कुजूर ने बताया कि अंजली सोरेन द्वारा एक आवेदन दिया गया है जिसमें उन्होंने अपनी पति और देवर पर मारपीट का आरोप लगाया है। आवेदन के आलोक में अंजली के पति को नोटिस भेजकर थाने बुलाया गया है।थाना प्रभारी ने बताया कि अंजली का यह कहना है उसका पारिवारिक संबंध सोरेन परिवार से है लेकिन इसका कोई साक्ष्य नहीं मिला है, जो आवेदन मिला है उसे लेकर कानूनी प्रक्रिया के तहत कार्रवाई की जा रही है।

पहाड़ी मंदिर सहित सभी शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़

रांची। रांची में सावन मास के सातवें सोमवार और नाग पंचमी को लेकर पहाड़ी मंदिर सहित अन्य सभी शिवालयों और मंदिरों में सोमवार सुबह से ही भक्तों की भीड़ उमड़ी। अन्य दिनों की अपेक्षा आज भक्तों की कुछ ज्यादा ही भीड़ है। ओम नमः शिवाय और हर हर महादेव से सभी मंदिर के पास पूरा वातावरण गूंज रहा है। जिले के कांके , कोकर, बूटी मोड, बरियातू, हिनू, चुटिया के सुरेश्वर धाम, हरमू, किशोरगंज, लालपुर सहित अन्य शिवालयों में भक्त भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना सुबह से कर रहे हैं। लोग पहाड़ी मंदिर सहित अन्य शिवालयों में जल, दूध और बेलपत्र अर्पण कर सुख, समृद्धि और स्वस्थ रहने की कामना कर रहे हैं।

अहले सुबह से ही पहाड़ी मंदिर का गेट खुलने के बाद से ही नामकुम के स्वर्ण रेखा नदी से जल लेकर पैदल पहुचे श्रद्धालु बाबा को जल चढ़ा रहे हैं ।

पंडित मनोज पांडेय ने बताया कि यह नाग पंचमी खास है, क्योंकि पुरुषोत्तम माह की सातवीं सोमवारी है और इस दिन नाग पंचमी भी है। उन्होंने बताया कि नागपंचमी के दिन सर्प दोष से मुक्ति पाने के लिए उन्हें विशेष पूजा करनी चाहिए, जिनकी कुंडली में कालसर्प दोष है। उन्हें विधि-विधान के साथ राहु काल में इस पंचमी को कालसर्प दोष की पूजा करनी चाहिए। राहु को सर्प माना गया है, जिनकी कुंडली में राहु अशुभ है। उन्हें आज के दिन भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए और दोष को शांत करनी चाहिए।

बीआईटी मेसरा के वाइस चांसलर के साथ उपायुक्त ने की बैठक

रांची

गैर विवादित जमीन पर ग्रामीणों की राय से निर्माण कराने का निर्देश

उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने सोमवार को वाइस चांसलर बीआईटी मेसरा डॉ इंद्रनील मन्ना के साथ बैठक कर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। इस दौरान उपायुक्त ने बीआईटी मेसरा के लिए अधिग्रहित गैर विवादित भूमि को अपने अधीन लेकर उस पर भवन निर्माण कराने का निर्देश दिया लेकिन निर्माण कार्य शुरू करने के लिए ग्रामीणों की राय को भी जरूरी बताया।

उपायुक्त ने बीआईटी मेसरा को गैर विवादित भूमि पर निर्माण कार्य शुरू करने को लेकर विवादित स्थानों के संबंध में ग्रामीणों के साथ बातचीत कर समाधान निकालने का भी निर्देश दिये। बीआईटी मेसरा के प्रतिनिधि को यह निर्देश दिया कि एक टीम का गठन करें जो ग्रामीणों के साथ समन्वय स्थापित करें। अंचल अधिकारी कांके को निर्देश दिया गया कि ग्रामीणों के साथ बैठक कर ग्रामीणों की ओर से भी एक टीम का गठन कराएं जो बीआईटी मेसरा के टीम के साथ विवादित मामलों पर परिचर्चा कर विवाद का सुलझायेंगे।

उपायुक्त ने बीआईटी मेसरा के अंदर एवं बाहर के एरिया में चारदीवारी का कार्य कराए जाने को लेकर पहले गैर विवादित भूमि पर चारदीवारी का निर्माण कार्य कराने के तहत यह निर्देश दिया है। समाहरणालय स्थित उपायुक्त कार्यालय कक्ष में आयोजित बैठक में अपर समाहर्त्ता राजेश कुमार बरवार, रजिस्ट्रार बीआईटी मेसरा प्रो. संदीप दत्ता मौजूद थे।

झारखंड पुलिस और एसबीआई के बीच हुआ एमओयू

रांची

दुर्घटना में पुलिसकर्मियों की मौत पर परिजनों को मिलेगा 50 लाख रुपये

पुलिस मुख्यालय में सोमवार को डीजीपी अजय कुमार सिंह की उपस्थिति में भारतीय स्टेट बैंक के बीच पुलिस सैलरी पैकेज के लिए एक एमओयू किया गया। इस एमओयू में डीजीपी की ओर से डीआईजी बजट डाक्टर शम्स तबरेज और एसबीआई की ओर से रांची जोन के डीजीएम देवेश मित्तल ने हस्ताक्षर कर एक दूसरे को एमओयू के दस्तावेज सौंपे। इस सैलेरी पैकेज से पुलिस कर्मियों को निम्न सुविधाएं उपलब्ध कराई जायेगी।

इसमें व्यक्तिगत दुर्घटना मृत्यु बीमा 50 लाख, स्थायी पूर्ण विकलांगता

पर 50 लाख, स्थायी आशिक विकलांगता पर 30 लाख, वायुयान दुर्घटना पर एक करोड़ रुपया दिया जायेगा। साथ ही व्यक्तिगत दुर्घटना में मृत्यु होने पर आश्रित बच्चों के उच्चतर शिक्षा के लिए बीमा राशि 10 लाख तथा अविवाहित बच्चियों के विवाह के लिए भी बीमा राशि अधिकतम 10 लाख दिये जाने का प्रावधान है। इसके अलावा नक्सल हिंसा, उग्रवादियों, अपराधियों की ओर से घात लगाकर किये गये हमलों में शहीदों के आश्रित को अतिरिक्त 10 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। भारतीय स्टेट बैंक की ओर से सभी पुलिस कर्मियों को प्लेटिनम कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा, इसके तहत दुर्घटना आदि में मौत होने पर 10 लाख रुपये का अतिरिक्त बीमा कवर उपलब्ध होगा। यह सभी बीमा सुविधाएं भारतीय स्टेट बैंक की ओर से पुलिस सैलेरी पैकेज के तहत खाता धारक को निशुल्क उपलब्ध कराई जायेगी। इस अवसर पर एडीजी मुरारी लाल मीणा, एडीजी डाक्टर संजय आनंद राव लाठकर, आईजी मनोज कौशिक, आईजी अखिलेश, आईजी अमोल वी होमकर, आईजी प्रभात कुमार, भारतीय स्टेट बैंक की ओर से पटना मंडल के मुख्य महाप्रबंधक शिव ओम दीक्षित, प्रभाष बोस और आलोक रंजन उपस्थित थे।

सार-संक्षेप

कुख्यात अपराधी प्रिंस खान गिरोह का एक सदस्य गिरफ्तार

रांची। आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने कुख्यात अपराधी प्रिंस खान गिरोह के सक्रिय सदस्य लक्की खान को धनबाद से गिरफ्तार किया है।

झारखंड पुलिस प्रवक्ता एवी होमकर ने सोमवार को बताया कि संगठित आपराधिक गिरोहों की फंडिंग और अपराध से अर्जित किये हुए संपत्ति का पता लगाने तथा इन गिरोहों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने को लेकर पुलिस मुख्यालय की ओर से निर्देश दिया गया है। इसी क्रम में धनबाद पुलिस के सहयोग से एटीएस की टीम ने प्रिंस खान गिरोह के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधी लक्की खान प्रिंस खान के निर्देश पर लेवी नहीं देने वाले कारोबारियों पर फायरिंग करने की घटना में शामिल रहा है।

उन्होंने बताया कि अबतक की पूछताछ में धनबाद के प्रसिद्ध क्लीनिक (लैब), मछली कारोबारी रसीद महाजन एवं कपड़ा दुकान अप्सरा ड्रेसेज पर फायरिंग करने में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। इसके खिलाफ पूर्व से छह मामले दर्ज हैं।

अवैध खनन मामले में ईडी ने डीएसपी राजेंद्र दुबे को भेजा समन, चार सितंबर को बुलाया

रांची। साहिबगंज में हुए एक हजार करोड़ के अवैध खनन घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने डीएसपी राजेंद्र दुबे को समन भेजा है।

अधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि उन्हें चार सितम्बर को ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय पूछताछ के लिए बुलाया गया है। राजेंद्र दुबे वर्तमान में साहिबगंज के डीएसपी के पद पर पदस्थापित हैं। इससे पहले बीते नौ दिसम्बर 2022 को ईडी ने दुबे से ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय में पूछताछ की थी।

ईडी को यह जानकारी मिली है कि मुख्यमंत्री के विधायक प्रतिनिधि पंकज मिश्रा के रसूख का इस्तेमाल कर राजेन्द्र दुबे ने भी काफी संपत्ति अर्जित की है। ईडी ने डीएसपी से उनके और उनके रिश्तेदारों के जमीन बैंक सहित कई तरह के कागजातों की डिमांड की है, ताकि उसकी जांच की जा सके।

निगम की ओर से 150 पौधों का किया गया वितरण

रांची। रांची नगर निगम की ओर से सोमवार को कांके रोड स्थित एसएस मेमोरियल कॉलेज के विद्यार्थियों के बीच 150 पौधों का वितरण किया गया। साथ ही विवेकानंद यूथ क्वेक फाऊंडेशन , एसएस मेमोरियल, एनएसएस विभाग और रिलेशंस के संयुक्त तत्वावधान में मिशन लाइफ के तहत पर्यावरण संरक्षण एवं उर्जा संरक्षण पर सेमिनार भी आयोजित किया गया।

इसमें 200 छात्र- छात्राओं को संस्था की ओर से पर्यावरण संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां भी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एसएस मेमोरियल कॉलेज की प्राचार्या डॉ वंदना राय, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, विवेकानंद यूथक्वेक फाऊंडेशन के अध्यक्ष गौरव अग्रवाल और राजकुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

एसएसपी ने स्वर्ण रेखा नदी से लेकर पहाड़ी मंदिर तक के रूट का किया निरीक्षण

रांची। सावन मास के सातवीं सोमवारी को लेकर एसएसपी किशोर कौशल ने रविवार देर रात नामकुम के स्वर्ण रेखा नदी से लेकर पहाड़ी मंदिर तक के रूट का निरीक्षण किया। इस दौरान एसएसपी ने संबंधित पुलिसकर्मियों को कई दिशा निर्देश भी दिए। एसएसपी ने बताया कि सावन मास में नामकुम के स्वर्ण रेखा नदी से भक्त रात में जल लेकर पहाड़ी मंदिर में चढ़ाते हैं।

सर्वधर्म सद्भावना समिति की और से कांवरियों के स्वागत के लिए मौलाना आजाद कॉलोनी के समीप शिविर लगाया गया था। इसके अलावा सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों के शिवालयों में विशेष निगरानी रखने को कहा गया है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम के तीनों सहयोगियों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

रांची। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में निलंबित चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम के सीए नीरज मित्तल, राम प्रकाश भाटिया और ताराचंद के खिलाफ ईडी ने कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया है। आरोप पत्र सोमवार को ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में दाखिल किया गया है। नीरज मित्तल पर टेंडर मैनेज करने के लिए कमीशन लेने और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में संलिप्त रहने का आरोप है। नीरज मित्तल को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया था। राम प्रकाश भाटिया एवं ताराचंद पर वीरेंद्र राम की काली कमाई को सफेद करने के तहत पैसों के निवेश में सहायता करने का आरोप है। नीरज मित्तल पेशे से एक चार्टर्ड एकाउंटेंट है। तीनों आरोपित फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं।

हाई कोर्ट ने निलंबित आईएएस छवि रंजन की जमानत याचिका पर ईडी से कहा- जल्दी पूरी करें जांच

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने लैंड स्कैम मामले में निलंबित आईएएस छवि रंजन की जमानत अर्जी पर ईडी से जवाब मांगा है। अब अदालत इस मामले की अगली सुनवाई 11 सितंबर को करेगी।सोमवार को हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने छवि रंजन की याचिका पर अदालत ने ईडी से मौखिक रूप से पूछा है कि क्या अभी इस केस में जांच जारी है। कोर्ट ने ईडी को निर्देश दिया है कि अगर जांच जारी है, तो इसे जल्द पूरा किया जाए।छवि रंजन ने रांची पीएमएलए (प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) कोर्ट के आदेश को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। हाई कोर्ट के जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की कोर्ट में छवि रंजन की ओर से अधिवक्ता इंद्रजीत सिन्हा, अभिषेक सिंह और अभिषेक चौधरी ने बहस की।

हाई कोर्ट ने आईएएस मंजूनाथ भजंत्री को पद से हटाने के मामले में चुनाव आयोग से मांगा जवाब

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में देवघर के उपायुक्त रहते मंजूनाथ भजंत्री को पद से हटाने के मामले में चुनाव आयोग को तीन सप्ताह में शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई 20 सितंबर निर्धारित की है।मंजूनाथ भजंत्री को पद से हटाने के मामले में इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया (ईसीआई) के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर हाई कोर्ट के जस्टिस राजेश कुमार की कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। ईसीआई की ओर से अधिवक्ता एके सिंह एवं शिवम

कुमार ने पैरवी की। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता मनोज कुमार ने पक्ष रखा।डीसी देवघर मंजूनाथ ने याचिका में कहा है कि चुनाव आयोग ने उन्हें पद से हटाने का आदेश राज्य के मुख्य सचिव को भेजा है, जबकि किसी भी अधिकारी की पदस्थापन एवं तबादले का अधिकार राज्य सरकार के पास है। चुनाव आयोग को सरकार के अधिकारी को इस तरह के आदेश देने का अधिकार नहीं है।दरअसल, चुनाव आयोग ने छह दिसंबर, 2021 को झारखंड के मुख्य सचिव को एक पत्र लिखा था, जिसमें मंजूनाथ को पद से हटाने एवं उन्हें चुनावी कार्य में नहीं लगाने का आदेश किया था। मुख्य सचिव को मंजूनाथ के खिलाफ आरोप पत्र गठित करते हुए कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया था। साथ ही संसद के खिलाफ छह माह में विलंब से आदर्श आचार संहिता का मामला दर्ज करने पर जवाब मांगा था, संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर चुनाव आयोग ने मुख्य सचिव को मंजूनाथ को डीसी के पद से हटाने का आदेश दिया था।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर का ग्राहक सुविधा के लिए 5 साल तक मानार्थ सड़क किनारे सहायता कार्यक्रम

जमशेदपुर।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने ग्राहकों की संतुष्टि बढ़ाने और नए वाहन की खरीद की तारीख से 5 साल के लिए मानार्थ सड़क किनारे सहायता कार्यक्रम के साथ मन की अद्वितीय शांति प्रदान करने की दिशा में एक और उल्लेखनीय कदम उठाया है।

2010 में लॉन्च किया गया, आरएसए कार्यक्रम टीकेएम के ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण का अभिन्न अंग रहा है, जो सम्मानित ग्राहकों को उनकी आपातकालीन जरूरतों के दौरान तत्काल सड़क किनारे सहायता प्रदान करता है। नए वाहन पैकेज के एक भाग के रूप में, यह सेवा आवश्यक सुविधाओं की एक श्रृंखला को कवर करती है, जिसमें वाहन की खराबी और दुर्घटना से संबंधित वाहन को खींचने में सहायता, खराब बैटरियों के

लिए जंप स्टार्ट, पंक्चर टायर की मरम्मत, कम ईंधन की स्थिति या वाहन की चाबी संबंधी समस्याओं के मामले में सहायता के साथ-साथ 50 किलोमीटर तक की दूरी के लिए टैक्सियों की व्यवस्था करना शामिल है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के वाइस प्रेसिडेंट उपाध्यक्ष - बिक्री और रणनीतिक विपणन, अतुल सूद ने कहा, 'हम अपने मूल्यवान ग्राहकों के प्रति टोयोटा की अटूट प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में, ग्राहकों के लिए बिना किसी अतिरिक्त लागत के सड़क किनारे सहायता कार्यक्रम को 5 साल (नए वाहन की खरीद की तारीख से) तक बढ़ाते हुए रोमांचित हैं। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर में, हमारा दृढ़ विश्वास है कि हमारे ग्राहकों के साथ हमारा रिश्ता उत्पादों और सेवाओं की पेशकश से परे है - यह एक ऐसा अनुभव बनाने के बारे में है जो स्वामित्व अवधि के दौरान सहज, सुविधाजनक और आश्वस्त करने वाला है।

राजीव गांधी के शानदार काम ने उन्हें दुनिया के शीर्ष नेताओं की पंक्ति में शामिल किया : खरगे

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 79वीं जयंती पर रविवार को उन्हें याद किया और कहा कि वह ''सच्चे देशभक्त'' एवं भारत के ''महान सपूत'' थे जिन्होंने भारत को 21वीं सदी का भारत बनाने की दिशा में अमूल्य योगदान दिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें डिजिटल भारत का वास्तुकार बताया और कहा कि प्रधानमंत्री के तौर पर उनके शानदार कामकाज ने उन्हें दुनिया के शीर्ष नेताओं की पंक्ति में ला दिया। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि राजीव गांधी ऐसे नेता थे जिन्होंने लाखों भारतीयों में उम्मीद का संचार किया। खरगे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, '' प्रधानमंत्री के तौर पर शानदार कामकाज के बल पर उन्होंने दुनिया के शीर्ष नेताओं के बीच जगह बनाई। राजीव जी ने 21वीं सदी का भारत बनाने में विशेष भूमिका निभाई।'' कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने पिता की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा, ''पापा आपकी आंखों में भारत के लिए जो सपने थे, इन अनमोल यादों से छलकते हैं। आपके पदचिह्न मेरा रास्ता हैं– हर हिंदुस्तानी के संघर्ष और सपनों को समझ रहा हूं। भारत मां की आवाज सुन रहा हूं।'' खरगे के अलावा पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने यहां राजीव गांधी के स्मारक वीर भूमि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बाद में खरगे, सोनिया गांधी और अन्य नेताओं ने संसद के केन्द्रीय कक्ष में राजीव गांधी की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''जब हम सद्भावना दिवस मना रहे हैं, तो ऐसे में राजीव गांधी के उस विशाल योगदान को याद करना ठीक रहेगा, जिससे भारत 21वीं सदी में पहुंचा।'' उन्होंने कहा कि मतदान की आयु घटाकर 18 वर्ष करना, शांति समझौते, सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम और समावेशी शिक्षा पर जोर देने वाली नयी शिक्षा नीति जैसी पूर्व प्रधानमंत्री की अनगिनत पहल देश में परिवर्तनकारी बदलाव लेकर आईं। खरगे ने कहा, ''हम राजीव गांधी जी की जयंती पर उन्हें दिल से याद करते हैं।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने पूर्व प्रधानमंत्री को डिजिटल भारत का वास्तुकार करार देते हुए कहा कि उनकी दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी क्रांति तथा कम्प्यूटर कार्यक्रम ने भारत को दुनिया के अग्रणी देशों की पंक्ति में ला खड़ा किया और लाखों युवाओं को रोजगार मिला।

सावन मिलन

पटना में रविवार को सावन मिलन समारोह के दौरान भूमियार महिला समाज।

पुष्पांजलि

लेह में रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपने पिता और पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी को उनकी 79वीं जयंती पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए।

दुर्लभ 'टाइटलर लीफ वार्बलर' पक्षी पहली बार बिहार में देखा गया

पटना। बिहार में पहली बार दुर्लभ पक्षी 'टाइटलर्स लीफ वार्बलर' को देखा गया है। बिहार के अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक और मुख्य वन्यजीव वार्डन पी.के. गुप्ता ने कहा कि तुलनात्मक रूप से लंबी और पतली चोंच वाला मध्यम आकार के 'लीफ वार्बलर' को हाल में भागलपुर जिले के 'बर्ड रिंगिंग' स्टेशन सुंदरवन में देखा गया। इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (आईयूसीएन) की सूची में 'टाइटलर लीफ वार्बलर' एक संकटग्रस्त प्रजाति है। गुप्ता ने कहा, भागलपुर के सुंदरवन में पक्षी निगरानी गतिविधियों के दौरान, हमने हाल ही में 'फाइलोस्कोपिडे' परिवार के एक 'वार्बलर' को देखा। गुप्ता ने बताया, औसत समुद्र तल (एमएसएल) से 52 मीटर की ऊंचाई पर और बिहार में गंगा के मैदानी इलाकों में इस प्रजाति की उपस्थिति का पहला प्रामाणिक रिकॉर्ड है। इसलिए हम पक्षी की इस दुर्लभ प्रजाति कि यहां उपस्थित से बहुत उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, यह पश्चिमी हिमालय, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में ऊंचाई पर प्रजनन करता है। सर्दियों में, यह दक्षिणी भारत, खासकर पश्चिमी घाट और नीलगिरी में प्रवास करता है। वन अधिकारी ने कहा कि इससे पहले, इस प्रजाति को कभी–कभी गुजरात के सौराष्ट्र और मोरबी क्षेत्र, पन्ना और मेलघाट बाघ अभयारण्यों और रंगनाथिटु पक्षी अभयारण्य (कर्नाटक) में देखा गया था। मुख्य वन्यजीव वार्डन ने कहा, 'टाइटलर्स लीफ वार्बलर' को आखिरी बार इटावा (7 अप्रैल, 1879 को) और गोरखपुर (18 फरवरी, 1910) में वापसी प्रवास के दौरान देखा गया था। उन्होंने बताया कि बिहार, पूरे देश में बर्ड रिंगिंग स्टेशन वाला चौथा राज्य बन गया है जहां पक्षियों के प्रवास, उनकी मृत्यु दर, उनके क्षेत्र तथा व्यवहार आदि के अध्ययन के लिए उनके पैरों में छल्ले लगाए जाते हैं।

हरियाणा के जोगपाल ने एक दशक में 5,600 से अधिक सांपों को बचाया

चंडीगढ़। हरियाणा के फतेहाबाद जिले के रहने वाले पवन जोगपाल को सांप ने एक–दो बार नहीं, बल्कि 10 बार डसा है, फिर भी सांपों को बचाने के उनके जुनून में कोई कमी नहीं आई है। भट्टू कलां गांव के रहने वाले जोगपाल (28) ने पीटीआई–भाषा को बताया कि वह लगभग एक दशक से सांपों को पकड़ रहे हैं, जो ग्रामीण इलाकों में लोगों के घरों या अन्य जगहों पर घुस जाते हैं। जोगपाल ने दावा किया कि उन्होंने 5,600 से अधिक सांपों को बचाया है और अब तक सांप ने उन्हें 10 बार डसा है। उन्होंने बताया, हाल ही में मैंने फतेहाबाद जिले में स्वतंत्रता दिवस समारोह स्थल के पास के एक खुले क्षेत्र में नाग के बच्चे को पकड़ा था। वहां मुख्यमंत्री राष्ट्रीय ध्वज फहराने वाले थे।

जोगपाल ने बताया कि हाल में आई बाढ़ की वजह से कई इलाकों में पानी भर जाने के कारण पेड़ों पर आश्रय लेने वाले कई सांपों को भी उन्होंने बचाया। उन्होंने बताया कि पकड़े गये सभी सांपों को जंगलों में छोड़ दिया जाता है। जोगपाल ने कहा, मैं 10 साल से भी अधिक समय से सांपों को बचा रहा हूं। उनमें से ज्यादातर ऐसे सांप हैं जो गांवों में लोगों के घरों और बगीचों में घुस जाते हैं। यह पूछे जाने पर कि सांपों को बचाने की प्रेरणा उन्हें कहां से मिली, उन्होंने कहा कि जब वह करीब 17 साल के थे, तब गांव में उनके घर में एक सांप घुस गया था। उन्होंने बताया कि जब पड़ोसी और वहां पहुंचे अन्य लोग सांप को मारने की कोशिश कर रहे थे, तब वह लोगों से सांप को नहीं मारने के लिए समझा–बुझा रहे थे।

जोगपाल ने बताया, मैंने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन इसी बीच किसी ने सांप पर हमला कर दिया और उसे मार डाला। उस घटना ने मुझ पर गहरी छाप छोड़ी। बाद में, मैंने डिस्कवरी चैनल देखना शुरू किया। सबसे पहले, मैंने छोटे सांपों को बचाना शुरू किया। मैंने इसके बारे में कई किताबें पढ़ीं और सांपों के बारे में जानकारी एकत्र की।' उन्होंने कहा, अब, मैं सांपों को आसानी से पकड़ सकता हूं। अब तक, मैंने 5,600 से अधिक सांपों को बचाया है। मुझे 10 बार सांप ने काटा है, जिसमें एक नाग भी शामिल है। नाग के डसने की वजह से मुझे दो दिनों के लिए अस्पताल में भर्ती होना पड़ा।

उन्होंने बताया कि वह घायल अवस्था में मिलने वाले हर सरीसृप और पक्षियों को बचाते हैं। जोगपाल ने बताया, लोग मुझे फोन करते हैं और मैं अपनी टीम के साथ वहां पहुंच जाता हूं। हम सांपों को पकड़ते हैं और उन्हें जंगलों में छोड़ देते हैं। जोगपाल ने कहा कि उनकी टीम में तीन और लोग हैं जो उनके लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा, हम अपने साथ विशेष दस्ताने, लाठी, जूते, हुक और अन्य सुरक्षा सामग्री रखते हैं। उन्होंने बताया कि फतेहाबाद जिला प्रशासन ने उन्हें और उनकी टीम की समाज सेवा की सराहना की है और उन्हें सम्मानित भी किया है। जोगपाल ने कहा, शुरुआत में, जब मैंने सांपों को बचाना शुरू किया और इसे पूर्णकालिक काम के रूप में करना शुरू किया, तब मेरा परिवार मुझे ऐसा करने से मना करता था। लेकिन अब उन्हें इससे कोई दिक्कत नहीं है।

जोगपाल ने बताया कि वह सांपों के बारे में लोगों को जागरूक करने की भी कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा, हमारे क्षेत्र में, लोग अब सांपों को नहीं मारते हैं। अगर उन्हें सांप दिखता है, तो वे मुझे बुलाते हैं और हम उसे बचा लेते हैं। मैं लोगों से कहा करता हूं कि सांप केवल आत्मरक्षा में हमला करते हैं, जब उन्हें लगता है कि उनकी जान खतरे में है।

'खतरों के खिलाड़ी' से टेलीविजन की दुनिया का गुर सीखा : डेजी शाह

मुंबई/एजेन्सी

रोहित शेट्टी के शो 'खतरों के खिलाड़ी' सीजन 13 में प्रतिभागी 'डेजी शाह' को लगता है कि वह इस शो से काफी कुछ सीख गई हैं। उन्होंने कहा कि 'खतरों के खिलाड़ी' करने के बाद वह यह सीख चुकी हैं कि टेलीविजन पर क्या करना चाहिए और क्या नहीं। डेजी शाह ने सलमान खान के साथ फिल्म 'जय हो' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। अभिनेत्री 'डेजी शाह' रियलिटी शो करने वाली बॉलीवुड हस्तियों की लिस्ट में शामिल हो गई हैं। वह वर्तमान में 'फियर फैक्टर खतरों के खिलाड़ी 13' में प्रतिभागी हैं। अभिनेत्री को बुधवार को शिव ठाकरे और साउंडस मौफाकिर के साथ गेमिंग चैलेंज में भाग लेते देखा गया। अभिनेत्री ने शो 'खतरों के खिलाड़ी' में अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए कहा, इस शो के लिए मुझे सभी से बहुत प्यार मिल रहा है। मैंने इस तरह के प्यार की उम्मीद नहीं की थी। इस शो को करने का मकसद बड़े पैमाने पर दर्शकों से जुड़ना था।''

उन्होंने कहा, ''मुझे इस बारे में कोई अंदाजा नहीं था कि टीवी की दुनिया कैसे चलती है। अब मैंने सीख लिया है कि टेलीविजन में क्या करना चाहिए और क्या नहीं। यह सीखने का एक शानदार अनुभव रहा है। मैंने इस शो के साथ बहुत अच्छी यादें और दोस्त बनाए हैं। शो में अपने विभिन्न स्टंट के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, स्टंट शुरू करने से ठीक पहले एक तितली जैसा एहसास होता है लेकिन फिर आपको रोहित सर की आवाज सुनाई देती है कि आप यह कर सकते हैं। यह आपको स्टंट करने के लिए प्रेरणा देता है।

'गदर-2' में सनी देओल ने शानदार काम किया : हेमा मालिनी

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री हेमा मालिनी को फिल्म गदर 2 बेहद पसंद आयी है। अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी फिल्म गदर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है। हेमा मालिनी को भी गदर 2 बेहद पसंद आयी है। हेमा मालिनी ने कहा कि जैसी उम्मीद थी, फिल्म गदर 2 बिल्कुल वैसी ही थी। अनिल शर्मा ने काफी अच्छा काम किया है। फिल्म की सभी स्टारकास्ट ने अपना बेस्ट दिया है।ऐसा लग रहा था कि 70 और 80 का दौर लौट आया है। अनिल शर्मा जी इस फिल्म के जरिए पुराने दौर को फिर से लेकर आए हैं। हेमा मालिनी ने कहा, सनी ने सुपर्ब काम किया है। अनिल जी के बेटे उत्कर्ष ने भी अच्छा काम किया है। जो नई लड़की है है, वो भी बहुत अच्छी लगी। यह फिल्म देख कर राष्ट्र के प्रति भाव जग गया। मुस्लिमों के प्रति जो भाईचारा होना चाहिए फिल्म में वो भी दिखाया गया।

फिल्म 'ओह माय गॉड-2' 100 करोड़ के क्लब में शामिल हुई

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की फिल्म ओह माय गॉड 2 ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ की कमाई कर ली है।

अक्षय कुमार इन दिनों अपनी सुपरहिट फिल्म 'ओह माय गॉड' के सीक्वल 'ओह माय गॉड 2' को लेकर चर्चा में है। इस फिल्म में अक्षय के साथ पंकज त्रिपाठी और यामी गौतम भी मुख्य किरदार में हैं। ओह माय गॉड 2 11 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुयी है।

फिल्म ओह माय गॉड 2 ने अपने पहले सप्ताह में 85 करोड़ की कमाई की थी। इसके बाद फिल्म ने दूसरे हफ्ते के पहले दिन शुक्रवार को 06 करोड़ और शनिवार को 09 करोड़ कमाए हैं। जिसके बाद फिल्म 100 करोड़ी क्लब में शामिल हो गई है। ओह माय गॉड 2 का निर्देशन अमित राय ने किया है।

इस फिल्म के निर्माता अश्विन वर्दे, वायकॉम 18 और जियो स्टूडियो हैं।

'सुहागन' में मुख्य किरदार निभाएंगी साक्षी शर्मा

नई दिल्ली/एजेन्सी

एक्ट्रेस साक्षी शर्मा रोमांटिक ड्रामा 'सुहागन' में अंशुला धवन की जगह पायल के रूप में एंट्री करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। 'सुहागन' दो बहनों बिंदिया और पायल की कहानी है। शो ने 10 साल का लीप लिया और उनके प्यार और दुश्मनी के सफर को आगे बढ़ाया। शो में अपनी एंट्री के बारे में बात करते हुए साक्षी ने कहा, कलर्स के लोकप्रिय शो 'सुहागन' में एक बार फिर से काम करने का मौका पाकर मैं बेहद उत्साहित महसूस कर रही हूं। इस शो ने दर्शकों से अपार प्यार और समर्थन अर्जित किया है और मैं पायल की भूमिका निभाकर बेहद खुश हूं। यह पहली बार है जब मैं पूर्ण रूप से मुख्य किरदार निभाते हुए नजर आऊंगी, जो अपने प्यार कृष्णा को पाने के लिए बहन बिंदिया से नफरत करती है। उन्होंने कहा, पायल का किरदार उतार–चढ़ाव और चुनौतियों से भरा है और यही बात मुझे इस शो का हिस्सा बनने के लिए प्रेरित करती है। मुझे उम्मीद है कि दर्शक मुझे पायल के रूप में पसंद करेंगे और शो को समर्थन देंगे। अपनी मनोरंजक कहानी के साथ, 'सुहागन' में बिंदिया की कृष्णा के साथ शादी हो जाती है, जो उसकी बहन का प्यार है। फिलहाल कहानी में, भारी बारिश के बीच कृष्णा और बिंदिया की कार खराब हो जाती है और वे वापस जाकर बिंदिया के घर पर रुकने का फैसला करते हैं। जैसे ही दोनों के बीच रोमांस होने लगता है, पायल अप्रत्याशित रूप से एंट्री करती है और बीमार होने का नाटक करती है। अगले दिन, पायल कार में कृष्णा के बगल वाली सीट पर बैठती है। यह देख बिंदिया परेशान हो जाती है और पायल को चेतावनी देती हुई कहती है कि यह सीट उसकी है। 'सुहागन' कलर्स पर प्रसारित होता है। साक्षी ने 'गुड़ से मीठा इश्क', 'इश्क में मरजावां' और 'प्यार तूने क्या किया' जैसे शो में अभिनय किया है।

उदयपुर में होगी परिणीत-राघव चड्ढा की शादी

नई दिल्ली/एजेन्सी

एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी (––झ) नेता राघव चड्ढा की मई में सगाई हुई थी। अब उनकी शादी को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों की मैरिज डेट सामने आ गई है।

दोनों 25 सितंबर को शादी के बंधन में बंधने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हालांकि अभी तक वेडिंग डेट को लेकर दोनों की तरफ से कोई ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार शादी के करीब एक सप्ताह पहले से सभी रस्में शुरू हो जाएंगी। शादी भव्य तरीके से होगी। शादी में दोनों के परिवार वालों और खास दोस्तों के साथ बॉलीवुड इंडस्ट्री से लेकर राजनीति जगत तक के लोग शामिल हो सकते हैं। वे राजस्थान में शादी कर सकते हैं, जो इन दिनों सेलेब्रिटीज की शादी का हॉट डेस्टिनेशन बना हुआ है।

दोनों ने कुछ समय पहले ही उदयपुर में पर्यटन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर से मुलाकात कर अच्छी जगहों और होटलों के बारे में जानकारी ली थी। उनका रिसेप्शन गुड़गांव में होगा। उल्लेखनीय है विक्की कौशल और कैटरीना कैफ ने करीब दो साल पहले राजस्थान के सवाई माधोपुर और सिद्धार्थ मल्होत्रा व कियारा आडवाणी ने इसी साल जैसलमेर में शादी की थी।

रजनीकांत की फिल्म 'जेलर' ने वर्ल्डवाइड 500 करोड़ की कमाई की

मुंबई/वार्ता

दक्षिण भारतीय सिनेमा के महानायक रजनीकांत की फिल्म जेलर ने वर्ल्डवाइड 500 करोड़ की कमाई कर ली है। रजनीकांत की फिल्म जेलर 10 अगस्त को प्रदर्शित हुयी है। जेलर बॉक्स ऑफिस पर कमाल का बिजनेस कर रही है। रिलीज के बाद से ही इस फिल्म का देश के साथ विदेशों में भी डंका बज रहा है। जेलर वर्ल्डवाइड 500 करोड़ की कमाई कर चुकी है। फिल्म जेलर का निर्देशन नेल्सन दिलीपकुमार ने किया है। फिल्म में तमन्ना भाटिया भी अहम किरदार में हैं। इस फिल्म का सॉन्ग 'कावाला' फिल्म की रिलीज से पहले ही पॉपुलर हो गया था। 'जेलर' में रजनीकांत और तमन्ना भाटिया के अलावा राम्या कृष्णन, शिवा राजकुमार, विनायकन, जैकी श्रॉफ और मोहनलाल भी मुख्य किरदार में नजर आ रहे हैं।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता लाभ, योजनाओं के सफल कार्यान्वयन से निर्बल सामाजिक समूहों में भी उत्पन्न हुई आकांक्षा

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचता लाभ, योजनाओं के सफल कार्यान्वयन से निर्बल सामाजिक समूहों में भी उत्पन्न हुई आकांक्षा

इन नौ वर्षों में देश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली भी खाद्य सुरक्षा की एक जरूरी एवं सफल योजना के रूप में सामने आई है। तकनीक के इस्तेमाल ने इस प्रक्रिया में होने वाले भ्रष्टाचार एवं लीकेज यानी रिसाव को न्यूनतम स्तर पर तो ला ही दिया है लाभार्थियों को इसका लाभ लेने की प्रक्रिया में होने वाली परेशानी को भी खत्म कर दिया है।

भारत में विकास परियोजनाएं लगातार चलती रहती हैं। इनके सामाजिक प्रभाव भी पड़ते रहे हैं, मगर इन योजनाओं के सामाजिक प्रभावों का समग्र मूल्यांकन उच्च कोटि की अकादमिक संस्थाओं द्वारा कम ही किया जाता है। हालांकि अब यह स्थिति कुछ बदल रही है। पिछले साल केंद्रीय विश्वविद्यालय, आइआइटी, आइआइएम एवं अन्य शोध संस्थानों जैसी उत्कृष्ट संस्थाओं ने गत नौ वर्षों में भारत सरकार द्वारा संचालित एवं लागू की गईं विकास योजनाओं का अध्ययन किया। इसमें प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना, पीएम जनधन योजना, सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस), स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन, वन नेशन-वन कार्ड आदि योजनाओं को शामिल किया गया है। यह अध्ययन अब पुस्तक के रूप में भी प्रकाशित हो रहा है। इसमें पिछले करीब एक दशक के दौरान भारत में हुए विकास एवं सामाजिक परिवर्तन का लेखाजोखा है।

इस अध्ययन के अनुसार 2016 से 2023 के बीच प्रधानमंत्री आवास योजना ने अपने 71 प्रतिशत लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है। इस अवधि में 2.07 करोड़ घर निर्मित किए गए हैं। इस योजना में आवंटित कोष के उपयोग की दर भी संतोषजनक रही। इसके लिए निर्धारित बजट की 86 प्रतिशत राशि योजना को लागू करने की प्रक्रिया में खर्च की गई। इसने अति उपेक्षित एवं जरूरतमंद लोगों के घर के सपने को पूरा किया है।

वहीं, उज्ज्वला योजना ने भारत की गरीबों एवं ग्रामीण महिलाओं को बड़े पैमाने पर चूल्हे के धुएं से उत्पन्न होने वाली बीमारियों एवं कष्टों से बचाया है। इससे उनके जीवन में गुणात्मक परिवर्तन आया है। ग्रामीण महिलाओं का चूल्हे-चौके में खर्च होने वाला समय तो बचा ही है, इसने उन्हें सामाजिक प्रतिष्ठा भी दी है। कहा जाता है कि उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों में से अनेक ने पहली बार के बाद गैस सिलेंडर नहीं भरवाया। इसके लिए बढ़ती महंगाई को कारण बताया गया। नए अध्ययन से जाहिर होता है कि कई लाभार्थियों द्वारा पहली बार के बाद गैस सिलेंडर न भरवाने के कारणों में महंगाई नहीं, बल्कि अन्य परंपरागत विकल्पों की मौजूदगी है।

इन नौ वर्षों में देश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली भी खाद्य सुरक्षा की एक जरूरी एवं सफल योजना के रूप में सामने आई है। तकनीक के इस्तेमाल ने इस प्रक्रिया में होने वाले भ्रष्टाचार एवं लीकेज यानी रिसाव को न्यूनतम स्तर पर तो ला ही दिया है, लाभार्थियों को इसका लाभ लेने की प्रक्रिया में होने वाली परेशानी को भी खत्म कर दिया है। कोविड के समय में तो इस योजना ने लोगों की जीवनरेखा के रूप में काम किया। साथ ही वन नेशन-वन राशन कार्ड योजना से पीडीएस को जोड़ कर प्रवासी श्रमिकों के लिए इसे ज्यादा कारगर, आसान बनाया गया है। लक्ष्य आधारित पीडीएस तो गरीबों के लिए एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच के रूप में उभरा है, जिसने उनमें बेहतर जीवन की आकांक्षा उत्पन्न की है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने भी पीडीएस से होने वाले सामाजिक लाभ का विस्तार करते हुए खाद्य सुरक्षा की दिशा में अगला कदम बढ़ाया है, जो 2020 की विकट परिस्थिति में प्रारंभ की गई थी। इस योजना ने देश के गरीब एवं हाशिये पर खड़े सामाजिक समूहों को न केवल अन्न सुरक्षा प्रदान की है, बल्कि उनमें बेहतर जीवन की आकांक्षा भी पैदा की है। यही आकांक्षा की शक्ति गरीब सामाजिक समूहों को जनतंत्र की परिधि में सम्मानित ढंग से शामिल करती है एवं उन्हें लोग से नागरिक में रूपांतरित करते हुए उनमें नागरिक बोध पैदा करती है।

मार्ग-दर्शन

राजा की चतुराई से ब्राह्मण को सम्मान सहित मिले अपने पैसे

एक ब्राह्मण ने किसी सेठ के पास अपने एक हजार रुपए जमा कराए। इस बात को कई वर्ष गुजर गए। जब एक बार ब्राह्मण को धन की जरूरत पड़ी, तो वह अपने रुपए लेने के लिए सेठ के पास पहुंचा। तब तक सेठ की नीयत बदल चुकी थी। सेठ ने ब्राह्मण के रुपए देने से यह कहते हुए इंकार कर दिया कि उसके पास रुपए जमा करने का कोई प्रमाण नहीं है। ब्राह्मण परेशान होकर राजा के पास गया, किंतु प्रमाण के अभाव में राजा भी कुछ करने में असमर्थ था। इसलिए उसने एक उपाय सोचा जिससे सेठ बिना कुछ कहे ही ब्राह्मण के रुपए वापस कर दे। अगले दिन राजा ने नगर में अपनी शोभायात्रा निकालने की घोषणा करवाई। जब शोभायात्रा सेठ की हवेली के सामने से निकली तो राजा ने ब्राह्मण को गुरुदेव कहते हुए अपने पास बैठाया। सेठ ने यह सब देखकर सोचा कि यह ब्राह्मण तो राजा का गुरु है। यदि इसने राजा को कुछ कह दिया तो मुझे दंड मिल सकता है। इससे बचने के लिए यही ठीक होगा कि मैं ब्राह्मण के रुपए वापस कर दूं। शोभायात्रा के तत्काल बाद सेठ रुपए लेकर ब्राह्मण के पास गया और उसे ससम्मान देकर आया। ब्राह्मण बड़ा प्रसन्न था क्योंकि राजा की चतुराई ने न केवल उसे अपना धन दिलाया बल्कि उसके सम्मान में भी वृद्धि हुई। जीवन में कभी- कभी ऐसा भी होता है कि आपके पास अपनी सचाई का सबूत नहीं होता। ऐसी परिस्थितियों में काम निकालने के लिए सीधेपन की राह छोड़ चतुराई का मार्ग अपनाना जरूरी होता है।

जीने की राह

पुरुषोत्तम मास है व्यक्तित्व निखारने का स्वर्णिम अवसर

विपरीत परिस्थितियों को जीतने के लिए केवल शारीरिक श्रम ही काम नहीं आएगा, विचारों की भी जरूरत पड़ती है। चिंतन यदि आध्यात्मिक आधार ले ले तो चुनौतियों से निपटना आसान हो जाता है। शास्त्रों में आध्यात्मिक चिंतन के लिए प्रकृति के कुछ कालखंड विशेष बताए गए हैं। आज से उसी का एक उदाहरण आरंभ हो रहा है। किसी ने इसे पुरुषोत्तम मास तो किसी ने मलमास कहा है। खगोलीय गणना के मुताबिक एक मास अधिक होता है जिसे अधिमास कहा गया है। हर माह का कोई न कोई देवता या स्वामी माना गया है, परंतु इस अधिमास या मलमास का कोई स्वामी नहीं होता। इसलिए मांगलिक, शुभ एवं पितृ कार्य वर्जित मान लिए गए हैं। इस माह ने विष्णु से अनुरोध किया और उन्होंने प्रसन्न होकर आशीर्वाद दिया कि मेरे भीतर जितने सद्गुण हैं, तुम्हें प्रदान करता हूं और तुम पुरुषोत्तम मास के नाम से विख्यात हो जाओगे। इसलिए १८ अगस्त से १६ सितंबर तक व्रत, दान, पूजा, हवन, ध्यान विशेष रूप से किए जाएं, क्योंकि हमारी क्रिया को प्रकृति का समर्थन मिलेगा। वासनाओं की जो धूल हमारे व्यक्तित्व पर जम जाती है, यह महीना उसकी सफाई के लिए बड़ा सहयोगी रहेगा। हम अपनी कामवासना को समझकर सात्विक दिशा में मोड़ सकेंगे। क्रोध को ऊर्जा में बदल कर सृजन कर पाएंगे। लोभ को संतोष से जीत सकेंगे। दान का अर्थ है अहंकार गिराना। हवन का अर्थ है जीवन में अनुशासन लाना और ध्यान का अर्थ है अपने से ही जुड़ जाना। यह माह व्यक्तित्व को निखारने में बड़ा काम आएगा। इसे केवल धार्मिक कृत्य न मानें। ये जीवन को संवारने के लिए जुट जाने के दिन होने चाहिए।

चीन की डंपिंग से घरेलू कंपनियां परेशान

इसी साल अप्रैल में देश के स्टील MSMEs(सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग) के प्रतिनिधियों ने वित्त मंत्रालय से गुहार लगाई कि उनकी आजीविका को नष्ट होने से बचा लिया जाए। चीन से हो रहे सस्ते आयात की वजह से यह लगातार खतरे में है। इस सेक्टर में 'कोल्ड रोल्ड पत्ता' बनाने वाली 500 रोलिंग मिलें आती हैं। कोल्ड रोल्ड पत्तों का इस्तेमाल रसोई के बर्तन वगैरह बनाने में होता है। प्रतिनिधियों की अपील थी कि चीन से हो रहे आयात पर भारी लेवी लगाई जाए।

अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस

यह अपील कई वजहों से महत्वपूर्ण है।

-इस सेक्टर में करीब चार लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है।

-चीन से हो रहा आयात 40 फीसदी तक कम कीमतों के चलते घरेलू बाजार में देसी उत्पाद को कॉम्पिटिशन से बाहर कर देता है। यह आयात कुल मार्केट के एक चौथाई तक पहुंच चुका है।

-अगर चीनी आयात ऐसे ही जारी रहा तो पत्ता यूनिटें देसी बर्तन निर्माताओं को अपना उत्पाद बेच नहीं पाएंगी और धीरे-धीरे उन्हें अपनी दुकानें बंद करनी पड़ जाएंगी। वैसे भी यह इंडस्ट्री बेहद कम मार्जिन (करीब 500-2000 रुपये प्रति टन) पर चल रही है।

चीन और अन्य देशों की अनफेयर ट्रेड प्रैक्टिस के खिलाफ कदम उठाकर भारतीय उद्योगों की रक्षा करने की गुहार लगाने के मामले में पत्ता यूनिटें अकेली नहीं हैं। विदेश से, खासकर चीन से भारतीय बाजारों में डंप किए जा रहे मामलों से डोमेस्टिक मैन्युफैक्चरर्स को बचाने का जहां तक सवाल है तो 2020 के बाद से वित्त मंत्रालय के स्तर पर इसमें हैरान करने वाली सुस्ती दिखाई देती है। हालांकि विदेश से सस्ता माल डंप किए जाने के खिलाफ कार्रवाई करने और उन पर एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाने की प्रक्रिया भारत में बिल्कुल स्पष्ट और पहले से स्थापित है।

-सबसे पहले प्रभावित इंडस्ट्री या ट्रेड बॉडी कॉमर्स मिनिस्ट्री के अंतर्गत आने वाले DGTR (डायरेक्टर जनरल ट्रेड रेमेडीज) से अपील करती है।

-डीजीटीआर करीब एक साल चलने वाली अपनी जांच-पड़ताल पूरी करने और इस दौरान सभी संबंधित पक्षों को सुनने के बाद अपनी सिफारिशें देता है। वे सिफारिशें अमल के लिए वित्त मंत्रालय को भेजी जाती हैं।

सेंटर फॉर डिजिटल इकॉनमी पॉलिसी रिसर्च (सी-डेप.ऑर्ग) की ओर से की गई एक हालिया स्टडी दिखाती है कि 1991 से 2020 के बीच भारतीय इंडस्ट्री की रक्षा के लिए एंटी डंपिंग शुल्क लगाने की एक फीसदी सिफारिशें भी वित्त मंत्रालय द्वारा खारिज नहीं की गईं। दूसरे शब्दों में जब भी डीजीटीआर ने देसी उद्योग धंधों की रक्षा के लिए लेवी लगाने या लेवी शुल्क की अवधि बढ़ाने की सिफारिश की, उसे अमल में लाया गया। लेकिन सितंबर 2020 और अक्टूबर 2022 के बीच डीजीटीआर की ओर से की गई हर तीन में से दो सिफारिशें वित्त मंत्रालय ने खारिज कर दीं।

-दो वर्षों की इस अवधि में डीजीटीआर ने 110 मामलों में एंटी डंपिंग लेवी लगाने की सिफारिश की।

-वित्त मंत्रालय इनमें से महज 40 केसों में लेवी लगाने को तैयार हुआ।

-जिन 70 मामलों में डीजीटीआर की सिफारिशें खारिज कर दी गईं, सी-डेप.ऑर्ग के मुताबिक, उनमें से 50 मामले चीन से सस्ता माल डंप किए जाने के थे।

वैसे सरकार ने एक अच्छा कदम इस बीच यह उठाया कि 31 अगस्त को एक नोटिफिकेशन के जरिए लैपटॉप और पर्सनल कंप्यूटर्स के आयात पर रोक लगा दी। इनका बड़ा हिस्सा चीन से ही आयात हो रहा था। लेकिन अन्य आयातों का ज्यादातर हिस्सा जस का तस है। एंटी डंपिंग लेवी लगाना दरअसल फेयर ट्रेड सुनिश्चित करने का एक साधन है। यह डंपिंग के जरिए व्यापार में लाई जा रही गड़बड़ियों को दूर करता और सही व्यापार के तौर-तरीकों को फिर से स्थापित करता है। सबसे बड़ी बात, यह ड्यूटी देश के अंदर एक मजबूत इंडस्ट्री को खड़ा होने में मदद करती है। उदाहरण के लिए, पेंसिलिन-जी का मामला लीजिए जो न्यूमोनिया और डिप्थीरिया की प्रमुख दवा है।

-डीजीटीआर ने करीब एक साल की लंबी जांच के बाद 2011 में चीन और मेक्सिको से होने वाले पेंसिलिन-जी के आयात पर एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाने की सिफारिश की थी।

-इन दोनों देशों से डंपिंग के कारण लोकल मैन्युफैक्चरर्स अपनी क्षमता के मुताबिक उत्पादन नहीं कर पा रहे थे और उनकी प्रॉफिटेबिलिटी पर बुरा असर पड़ रहा था।

-वित्त मंत्रालय एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाने को राजी नहीं हुआ।

-अब स्थिति यह है कि सी-डेप.ऑर्ग के मुताबिक पेंसिलिन-जी का घरेलू उत्पादन पूरी तरह बंद हो गया है। आज भारत इस दवा के मामले में पूरी तरह आयात पर निर्भर हो चुका है।

भारत अपनी मूल्य संवेदनशील प्रकृति और घरेलू बाजारों के बड़े आकार के कारण डंपिंग के काफी अनुकूल माना जाता है। हम विदेशी कंपनियों के लिए बड़ा आकर्षण इसलिए भी हैं कि भारतीय उपभोक्ता मूल्यों के थोड़े अंतर से भी प्रभावित हो जाते हैं। इसके अलावा भारत में सप्लायर्स और ग्राहकों के बीच उस तरह का जुड़ाव भी नहीं है जैसा जापान या कोरिया जैसे देशों में दिखता है जहां सस्ता आयात उपलब्ध होने के बावजूद स्थापित सप्लायर्स शायद ही कभी बदले जाते हों।

झिझक छोड़ने की जरूरत

इन हालात को देखते हुए और भारतीय उद्योग जगत की ओर से लगाई जा रही संरक्षण की गुहार को सुनते हुए सरकार को अपनी झिझक छोड़कर छोटे मैन्युफैक्चरर्स की मदद में आगे बढ़ने की जरूरत है। एक तरफ तो सरकार घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए प्रॉडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव(पीएलआई) स्कीम शुरू कर रही है और दूसरी तरफ उसने चीन व अन्य देशों से हो रही डंपिंग से लघु उद्योगों की रक्षा करने के अपने दायित्व से चुपचाप पल्ला झाड़ लिया है। वित्त मंत्रालय को डीजीटीआर की सिफारिशें संज्ञान में लेने की जरूरत है जो काफी जांच-पड़ताल के बाद भेजी जाती हैं और घरेलू बिजनेस को जरूरी सुरक्षा मुहैया कराती हैं।

चीन से हो रहे सस्ते आयात की वजह से यह लगातार खतरे में है। इस सेक्टर में 'कोल्ड रोल्ड पत्ता' बनाने वाली 500 रोलिंग मिलें आती हैं। कोल्ड रोल्ड पत्तों का इस्तेमाल रसोई के बर्तन वगैरह बनाने में होता है। प्रतिनिधियों की अपील थी कि चीन से हो रहे आयात पर भारी लेवी लगाई जाए।

ऐसा होगा भारत

भारत आज एक आजाद देश के रूप में 76 साल पूरे कर रहा है। इस मौके पर अगर देश की अब तक की उपलब्धियों और भविष्य की संभावनाओं का जायजा लेना हो तो उसका एक अच्छा तरीका यह हो सकता है कि दूसरों की नजर से खुद को देखा जाए। यानी दुनिया के अन्य देश और अंतरराष्ट्रीय संस्थान हमें किस रूप में देखते हैं, अगले कुछ वर्षों में उनकी हमसे क्या अपेक्षा है। मार्के की बात है कि आज अंतरराष्ट्रीय हलकों में इस बात पर लगभग सर्वसम्मति है कि डगमगाई हुई ग्लोबल इकॉनमी में भारत एक ब्राइट स्पॉट बना हुआ है। भारत का ग्रोथ इंजन आज पूरी दुनिया के लिए उम्मीद का आधार है। यह कोरोना और फिर यूक्रेन युद्ध से उपजे तात्कालिक हालात के कारण कुछ समय के लिए बना परिदृश्य नहीं है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगले कई वर्षों तक इंडियन इकॉनमी की गाड़ी काफी तेजी से आगे बढ़ सकती है। पिछले करीब दस वर्षों की बात करें तो भारत 11वें नंबर की इकॉनमी से पांचवें नंबर की अर्थव्यवस्था तो बन ही चुका है। आगे इसकी रफ्तार और तेज होगी।

स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक की एक हालिया रिपोर्ट बताती है कि साल 2030 तक भारत की नॉमिनल जीडीपी ग्रोथ 10 फीसदी सालाना रहेगी। इससे वित्त वर्ष 2030 तक भारत की प्रति व्यक्ति सालाना आय 4000 डॉलर हो जाएगी। दूसरे शब्दों में भारत मिडल इनकम देश की कैटिगरी में आ जाएगा। कई दूसरे विश्लेषण भी इस तरह के आकलन की पुष्टि करते हैं। उदाहरण के तौर पर यह बात भी कही जा रही है कि इस दशक के अंत तक यानी साल 2030 तक भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया में तीसरे नंबर पर पहुंच जाएगी। यानी तब अमेरिका और चीन ही भारत से आगे होंगे। देश की इस तरह की पॉजिटिव तस्वीर के पीछे डिजिटल इंडिया, जनधन खाता और आधार जैसी नीतियां रही हैं। मगर इसका मतलब यह मान लेना ठीक नहीं होगा कि हमारे रास्ते में चुनौतियां नहीं हैं। अगले कुछ वर्षों का जो सुखद लक्ष्य दिख रहा है, वहां तक पहुंचना आसान नहीं है। सबसे बड़ी बात यह कि लेबर फोर्स में कामकाजी लोगों की भागीदारी लगातार घट रही है। वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक साल 2000 में जो LFPR (लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन रेट) 60 फीसदी था, वह घटकर 53 फीसदी के आसपास आ गया है। लेबर फोर्स के स्किल का सवाल भी अहम है। देश में बालिग कामकाजी लोग 6.7 साल की औसत स्कूलिंग वाले हैं।

जाहिर है शिक्षा और रोजगार दोनों मोर्चों पर काफी काम करने की जरूरत है। लेकिन सबसे अहम है देश के अंदर का माहौल। मणिपुर के हालात तो असुविधाजनक सवाल पैदा करते ही हैं, देश में हेटस्पीच के बढ़ते मामले और समाज में दिख रहा तीखा ध्रुवीकरण इन तमाम उम्मीदों पर पानी फेर सकता है। याद रखना होगा कि पूंजी वही आती है, जहां अमन-चैन हो और इसी निवेश की बदौलत देश तेजी से तरक्की की राह पर आगे बढ़ता है।

राहुल जी हम भी पीड़ित हैं फ्लाइंग किस के, लड़की कुछ नहीं बोली मगर बाबू जी बहुत कूटे हमका

गांव के लड़के लफद्री ज्यादा होते हैं। आज के बच्चे तो हाऊ डू यू डू में ही पड़े हुए हैं। गांव वाले तो पेड़ में चढ़कर पंडित जी का कपारई भोड़ देते थे। 90 के दशक के लौंडे और फिल्में भाई साहब कहर थी। तभी तो 22 साल बाद गदर फिल्म के लिए गदर कट रही है। खैर आते हैं फ्लाइंग किस पर। जब हम अम्मा की कोख से पैदा होकर सीधे नरक लोक सिधारे तो मोहल्ले के बकैत चाचाओं ने हमें फुल ट्रेंड किया। इतना एनडीए वाले कैडेट को क्या तैयार करते होंगे। फिजिकल, मेंटल सारी ट्रेनिंग ये कथित चाचा करवाते थे।

सुबह-सुबह हम राजा बाबू बनकर घर से बाहर निकाल दिए जाते थे। माता जी को हम छकाए रहते थे तो काजर-टीका कीं और चल बेटा बाहर। उनको क्या पता था कि मोहल्ले के ठलुआ चाचा हमको फ्लाइंग किस सिखा रहे थे। हम एकदम जोरदार तरीके से करने लगे थे। फिर तो ऐसा ट्रेंड हुए कि सड़क से कोई भी लड़की निकले चाचाओं का इशारा होते ही हम फ्लाइंग किस करना शुरू कर देते थे। क्या करें पापी पेट का सवाल था। वो लोग हमें कंपट दिलवाते थे। याद है न वो एक रुपए की छह मिलती थी। हमको पता नहीं था कि एक दिन ये मसला संसद में गूंज जाएगा। पता होता तो इसी में पीएचडी करके। बेरोजगारी के दौर में किसी न किसी चैनल में बैठकर बकैती जरूर कर लेता। बचपन में लड़कियां पूचू, आलेलेले...। दुलरा के गाल खींचकर चलीं जातीं थीं। फिर बड़े होकर पहुंचे स्कूल। मासूमियत काजल के रास्ते बाहर आ रही थी। फ्लाइंग किस का मतलब तो उन ठलुओं ने समझाया नहीं था।

मासूमियत का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि हम क्लास की सबसे सुंदर लड़की से राखी बंधवाते थे। बाद में जब पता चला कि हमने ताउम्र खुद को माफ न करने वाला जुर्म किया है। अब आप कम से कम मुझे गलत तो नहीं समझेंगे। मोहल्ले वालों का रूटीन बन गया था। एक दिन स्कूल में हम लड़कियों के साथ लंच कर रहे थे। उन दिनों लड़कियों के साथ खाना खा लो तो दूसरे दोस्त बुरा मान जाते थे। बोलते थे जाओ भाभी जी के साथ खाओ। हम सोचे कि यहां हमारी पूरी और अचार निपट गया और उधर दोस्त भाभी जी बना रहे हैं। खैर, बाबू जी का खौफ था तो लड़की को दोस्त तक नहीं बना पाए। जब तक प्यार, इश्क और फ्लाइंग किस का मतलब समझे तो गांव से भगा दिए गए थे। फ्लाइंग किस का एक किस्सा है। हम स्कूल से छुट्टी के बाद टोली बनाकर निकलते थे। तभी एक लड़के ने ज़मीर जगा दिया। बोलता है कि कब तक पूरी, पराठा और अपना खाना खिलाता रहेगा प्रिया (काल्पनिक नाम) को आज दम हो तो फ्लाइंग किस कर दे।

हमने कहा नहीं बे, वो प्रधानाचार्य से शिकायत कर देगी। फिर उसने असंसदीय भाषा में एक शब्द बोला... अबे... है तू। बस खाना खिला उसको। बाकी कोई और पटा लेगा। हमने बोला नहीं भाई खाना तो मेरे साथ ही खाती है। और जब मैथ वाला मास्टर मारता है तो उसको दुख भी होता है। वो अंग्रेजी वाला जब कान ऐंठता था दर्द उस बेचारी को होता था। अब उनको तकलीफ होने लगी। उनको लगा कि लगता है सेटिंग इसकी हो गई। वो हमको और ताड़ में चढ़ा दिए। फिर हम भी ठहरे बुंदेलखंडी। दिल का आल्हा-ऊदल जाग गया और हम उसको फ्लाइंग किस दे दिए। भाई साहब! वो लड़की तो ऐसे भागी जैसे शोले में ठाकुर बसंती के पीछे पड़ा हो और वो भाग रही हो। हम भी डर गए। वो सब दोस्त हंसने लगे। उनके मौज आ गई। बस यहीं पर एक पंगा हो गया। हम भूल गए कि जहां पर हमारे हाथों को हमारे लब चूम रहे थे वहीं बगल में हमारे बाबूजी टहल रहे थे। फिर क्या था। न थाना, न कोर्ट सरकार सिर्फ बाबूजी की। कूट के चला दिए। अगले दिन हम स्कूल पहुंचे को तो फिर वो मेरे साथ टिफिन करने लगी... फिर तो बाबूजी की मार का एक्कौ फरक नहीं पड़ा...।

दैनिक पंचांग

22 अगस्त 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	सिंह	05.18 बजे से
चंद्र	तुला में	कन्या	07.34 बजे से
मंगल	कन्या में	तुला	09.45 बजे से
बुध	सिंह में	वृश्चिक	12.00 ब.से
गुरु	मेष में	धनु	14.16 बजे से
शुक्र	कर्क में	मकर	16.21 बजे से
शनि	कुंभ में	कुंभ	18.07 बजे से
राहु	मेष में	मीन	19.40 बजे से
केतु	तुला में	मेष	21.11 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		वृष	22.51 बजे से
		मिथुन	00.49 बजे से
		कर्क	03.02 बजे से

मंगलवार 2023 वर्ष का 234 वां दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ल
तिथि षष्ठी 03.07 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र चित्रा 06.32 बजे को समाप्त।
योग शुक्ल(शुक्र) 22.18 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 14.38 बजे तदनन्तर तैतिल 03.07 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 05.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 11° 56'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871713
जूलियन दिन 2460178.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2549
हिजरी सन् 1445
महीना सफर **तारीख** 05
विशेष स्कंद षष्ठी, कल्कि जयंती, मंगला गौरी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 22 अगस्त

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है।धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग। शुभांक-4-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। यात्रा का योग हैं। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-7-8-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़े अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में व्यय होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बने रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-3-6-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करें। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। पूजा-पाठ आदि धार्मिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): किसी से कहा सुनी न हो यह ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म में रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5

ओवर नाइट मास्क से रात भर में बने खूबसूरत

ओवर नाइट फेस मास्क लगाकर आप रातभर में सोते-सोते ही अपनी वही खूबसूरती वापस पा सकती हैं। दिनभर की भागदौड में आपके साथ-साथ आपकी त्वचा को भी हार्ड वर्क करना पडता है। मौसम का सर्वाधिक प्रभाव आपकी चेहरे पर ही पडता है। जिससे आपका चेहरा बदरंग हो जाता है। इसलिये दिन में फेस पैक लगाने से ही आपकी त्वचा कोमल बनी रहे ये काफी नही है। अगर आप अपनी वही खूबसूरती फिर से पाना चाहती हैं तो ओवर नाइट मास्क से आप एक रात में ही सोते-सोते खूबसूरत बन जाएंगी, जी हां ओवर नाइट फेस मास्क रात को सोते समय लगाये और सुबह इसे हटा दें। आइये आपको बताते हैं क्या है इसके फायदे।

हाइड्रेशन के लिए ओवर नाइट फेसमास्क आपकी त्वचा को नमी देता है और हाइड्रेट रखता है। इन फेसमास्क के प्रयोग से त्वचा लचीली बनती है जिससे मेकअप करने में भी आसानी होती है। इससे यूथफुलनेस बनी रहती है और मेकअप भी अधिक देर तक टिका रहता है।

स्किन टोन इस फेसमास्क के नियमित प्रयोग से स्किन ईवन टोन व ग्लोइंग बनती है। इसके अलावा त्वचा के एजिंग साइन्स जैसे फाइन लाइन्स, डार्क स्पॉट्स रिंकल्स इत्यादि से भी राहत मिलती है। यह स्वीट ग्लेंड के सेक्रियेशन को भी बढाने में सहायक है, इससे त्वचा से डर्ट इत्यादि पसीने के रूप में निकल जाती है। यह त्वचा में ऑक्सीजन की मात्रा को भी बढाता है।

रिलेक्स, रिजुविनेट, रिफाइन सोते समय आपकी त्वचा कार्य कर रही होती है दिन भर डेमेज होने के बाद आराम करते समय वह पुन: रिपेयर होने लगती है। ऐसी स्थिति में यदि आप ओवर नाइट फेसमास्क का प्रयोग करते हैं तो त्वचा रिजुविनेट होने के साथ ही रिफाइन भी होती है। यह पोर्स को रिफाइन कर, त्वचा की गहराई से सफाई करती है। इससे सोते समय त्वचा को बहुत आराम मिलता है। इससे आपकी त्वचा हेल्दी होती है जिससे आप पहले से जवां नजर आती हैं।

खूबसूरती बढाने में किसी से कम नहीं है शहद, ऐसे करें इस्तेमाल

महंगे प्रोडक्ट्स भूल जाइए। हम बता रहे हैं आपके किचन की ही ऐसी चीज जो खूबसूरती बढाने में किसी से कम नहीं है। शहद को अलमारी से निकालिए और इन उपयोगों में भी लाइए...

बढिया क्लिंसर

हनी में कोकोनट ऑइल मिलाने से यह बेहतरीन फेस वॉश हो जाता है। इससे चेहरा धोने के बाद आप चेहरे की स्मूदनेस साफ महसूस कर सकते हैं।

पुराने दाग हटाए

हनी में एंटी बैक्यिरियल प्रॉपर्टीज भी होती हैं। इसलिए इसे उपचार में भी उपयोग में लाया जा सकता है। इसमें ब्लिचिंग के गुण भी होते हैं जो घाव को जल्दी ठीक करने में मदद करते हैं और दाग भी नहीं रहने देते।

मॉइश्चराइजर भी

हनी आपकी स्किन को हाइड्रेशन का डोज देने भी सक्षम है। बस आपको इतना करना है कि पंद्रह मिनट के लिए इसे चेहरे पर लगाकर छोडना है और गर्म पानी से धो लेना है।

सनबर्न और टैनिंग से मुक्ति

हनी में नीबू का रस मिलाकर लगाने से यह टैनिंग हटा देता है। इसकी सूदिंग प्रॉपर्टीज सनबर्न से हुए नुकसान की भरपाई भी कर देती हैं।

लिप बाम बना लो

अगर आपको अपनी पसंद का लिप बाम नहीं मिल रहा है तो चिंता की जरूरत नहीं। जरा-सा शहद अपने होठों पर लगाइए और धो लीजिए। स्मूद लिप्स की गारंटी है।

पनीर के लड्डू

सामग्री :

200 ग्राम पनीर, 100 ग्राम नारियल (कसा हुआ), 2 चम्मच अखरोट की गिरी, 2 टेस्पून पिस्ते के टुकडे, 2 टेस्पून बादाम, 8-10 किशमिश, 8 पिसी हरी इलाइची, 100 ग्राम दूध, 500 ग्राम शक्कर।

सजाने के लिये

सूखी मेवा को बारीक काट लें।

विधि :

पनीर को कदूकस कर लें। एक कडाही में शक्कर, पनीर और नारियल को दूध में डालें गैस पर रखें और धीमी आंच करके मिश्रण को धीरे-धीरे एक बडी चम्मच से चलाते रहें। मिश्रण गाढा होने लगे तो उसमें किशमिश, बादाम, पिस्ता और अखरोट डालकर मिलाएं। अब हरी इलाइची को भी मिश्रण में मिलाकर कुछ देर तक चालाते रहें। इसके बाद गैस बंद कर दें और मिश्रण को थोडा ठंडा करके अपने हाथों से गोल-गोल पनीर के लड्डू तैयार कर लें। बारीक कटी सूखी मेवा से सजायें।

फेशियल से हो सकते हैं यह 5 नुकसान

चेहरे की खूबसूरती को बढाने और त्वचा की समस्याओं से बचने के लिए अगर आप भी फेशियल करवाते हैं, तो जरा संभल जाएं...क्योंकि यह जरूरी नहीं कि फेशियल आपको सिर्फ दमकती हुई त्वचा ही दे यह आपको कुछ समस्याएं भी दे सकता है...जानें फेशियल के यह 5 नुकसान

1 खुजली

फेशियल में अक्सर केमिकल युक्त क्रीम और कॉस्मेटिक उत्पादों का प्रयोग किया जाता है, जो सभी को सूट करें ही यह जरूरी नहीं है। इनके साइड इफेक्ट के तौर पर आपको त्वचा पर खुजली भी हो सकती है। इतना ही नहीं यह आपकी त्वचा के लिए हानिकारक भी हो सकता है।

2 लालिमा आना

सही प्रक्रिया न होने के चलते या फिर अत्यधिक स्क्रबिंग और गलत मसाज से चेहरे की त्वचा लाल भी पड सकती है, जो आगे जाकर त्वचा की अन्य समस्याओं को जन्म दे सकती है।

3 मुहांसे

कई लोगों को यह शिकायत होती है कि फेशियल के बाद चेहरे पर मुहांसे हो जाते हैं। इसका मुख्य कारण आपके रोमछिद्रों का खुलना है। रोमछिद्र खुलने पर सीबम का निर्माण एवं स्त्राव होता है जिसके कारण त्वचा तैलीय होती है और महांसे होने लगते हैं।

4 एलर्जी

चेहरे की खूबसूरती के लिए कई प्रकार के फेशियल किए जाते हैं जिनमें प्रयोग किए जाने वाले उत्पाद भी अलग-अलग होते हैं। त्वचा के लिए उसके टाइप के अनुरूप उत्पादों का चयन करना बेहद जरूरी होता है। ऐसा नहीं होने पर त्वचा पर एलर्जी भी हो सकती है।

5 पीएच बैलेंस

यदि आप नियमित रूप से चेहरे पर फेशियल करवाते हैं तो आपकी त्वचा अपनी कुदरती नमी खो सकती है जिसके कारण त्वचा का पीएच बैलेंस भी बिगड सकता है।

हेल्थ प्लस

आयुर्वेद के 12 चमत्कारिक तेल और उनके लाभ

आयुर्वेदिक तेलों के बारे में जरूर सुना होगा। ज्यादातर, बालों की समस्याओं के लिए कई आयुर्वेदिक तेल बाजार में बाजार में उपलब्ध हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि स्वास्थ्य और सौंदर्य की हर समस्या के लिए आयुर्वेदिक तेलों का प्रयोग किया जाता है, जो बेहद फायदेमंद होते हैं। जानिए ऐसे ही 10 आयुर्वेदिक तेल और उनके फायदे -

1 महाभृंगराज तेल :

सिर पर इसकी धीरे-धीरे मालिश करने पर यह बालों का गिरना बंद करता है और गंजापन समाप्त कर बालों को बढाने में मदद करता है। असमय सफेद हुए बालों को काला करने के साथ ही यह सिर की गर्मी को शांत कर माथे को ठंडा करता है।

2 नारायण तेल :

सब प्रकार के वात रोग, पक्षघात (लकवा), हनुस्म्भ, कब्ज, बहरापन, गतिभंग, कमर का दर्द, अंत्रवृद्धि, पार्श्व शूल, रीढ की हड्डी का दर्द, गात्र शोथ, इन्द्रिय ध्वंस, वीर्य क्षय, ज्वर क्षय, दांतों के रोग, पंगुता आदि के लिए यह एक प्रसिद्ध औषधि है। दो-तीन बार पूरे शरीर में मालिश करना एवं 1 से 3 ग्राम की मात्रा में दूध के साथ पीना फायदेमंद है।

3 चंदनबला लाशादि तेल :

इसके प्रयोग से शरीर की सा[illegible] धातुओं में वृद्धि होती है एवं वा[illegible] विकार नष्ट होते हैं। कास, श्वास, क्षय, शारीरिक क्षीणता, दाह, रक्तपित्त, खुजली, शिररोग, नेत्रदाह, सूजन, पांडू व पुराने ज्वर में यह बेहद उपयोगी है। दुबले-पतले शरीर को पुष्ट करता है एवं बच्चों के लिए सूखा रोग में लाभकारी है। सुबह व रात्रि को इसकी मालिश करना लाभकारी है।

4 इरमेदादि तेल :

यह तेल दांत के रोगों में खास तौर से लाभदायक। मसूढों के रोग, मुंह से दुर्गंध आना, जीभ, तालू व होठों के रोगों में भी यह बेहद लाभप्रद है। मुख के रोगों में इसे मुंह में भरना या दिन में तीन-चार बार तीली से लगाना चाहिए।

5 काशीसादि तेल :

यह तेल नासूर शोधक तथा रोपण है। इसके लगाने से बवासीर के मस्से नष्ट हो जाते हैं साथ ही यह नाडी नासूर एवं दूषित नासूर के उपचार हेतु लाभकारी है। बवासीर होने पर दिन में तीन-चार बार संबंधित स्थान पर लगाना अथवा रूई भिगोकर रखना लाभदायक है।

6 जात्यादि तेल :

नाडी व्रण (नासूर), जख्म व फोडे के जख्म को भरता है। कटने या जलने से पैदा होने वाले घावों के व्रणोपचार के लिए यह उत्तम है। जख्म को साफकरके इस तेल को लगाना या तेल में कपडा भिगोकर बांधना फायदेमंद होता है।

7 गुडुच्यादि तेल :

वात रक्त, कुष्ठ रोग, नाडी व्रण, विस्फोट, विसर्प व पाद दाहा नामक बीमारियों के लिए यह तेल उपयुक्त है। एग्जिमा या छाजन होने पर इस तेल का प्रयोग बेहद लाभकारी होता है।

8 महालाक्षादि तेल :

यह तेल सभी प्रकार के ज्वर अर्थात बुखार, विषम ज्वर, जीर्ण ज्वर व तपेदिक का नाश करने में सहायक है। कास, श्वास, प्रतिशाय (जुकाम), हाथ-पैरों की जलन, पसीने की दुर्गंध, शरीर का टूटना, हड्डी के दर्द, पसली के दर्द एवं वात रोगों को यह नष्ट करता है। यह बल, वीर्य कांति बढाकर शरीर को पुष्ट करता है। सुबह व रात्रि को इसककी मालिश करना फायदेमंद है।

9 पंचगुण तेल :

संधिवात एवं शरीर के किसी भी अंग में दर्द होने पर यह तेल उपयोगी है। कर्णशूल होने पर कान में बूंदें डालना लाभदायक होगा। व्रण उपचार में इसका एक फाहा भिगोकर संबंधित स्थान पर बांधे।

10 षडबिंदु तेल :

इस तेल के प्रयोग से गले के ऊपर के रोग जैसे सिर दर्द, सर्दी-जुकाम, नजला, पीनस आदि में लाभ होता है। दिन में दो-तीन बार 5-6 बूंद नाक में डालकर इसे सूंघना चाहिए।

11 महाविषगर्भ तेल :

यह सभी प्रकार के वात रोगों की प्रसिद्ध औषधि। जोडों की सूजन समस्त शरीर में दर्द, गठिया, हाथ-पांव का रह जाना, लकवा, कंपन्न, आधा सीसी, शरीर शून्य हो जाना, नजला, कर्णनाद, गण्डमाला आदि रोगों में सुबह व रात्रि में इस तेल से मालिश करें।

12 महामरिचादि तेल :

इसके प्रयोग से खाज, खुजली, कुष्ठरोग, मुंह के दाग व झाई, दाद, बिवाई आदि चर्म रोगों और रक्त के रोगों में लाभ होता है। एवं इस तेल से त्वचा के काले व नीले दाग नष्ट होते हैं व त्वचा स्वच्छ होती है।

काली मिर्च खाइये और शरीर के रोगों को कहिये बाय

आयुर्वेद में विशेष रूप से इसके लिए एक अच्छा उपचार है जिसमें डेढ चम्मच काली मिर्च और एक टेबलस्पून गुड को मिलाकर मिश्रण बनाया जाता है। जब तक सुधार न हो तब तक नियमित तौर पर इस मिश्रण का उपयोग करें।

काली मिर्च गर्म तथा तीखी होती है जो मानव शरीर के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होती है। आयुर्वेदिक औषधियों में इसका उपयोग बहुतायत में किया जाता है। इसमें पिपेरिन नामक एक सक्रिय घटक होता है जो मिर्च को इसका स्वाद और गुण प्रदान करता है। खोजों से पता चला है कि पिपेरिन, ककुमिन यौगिक की जैव उपलब्धता को बीस गुना बढा देता है। ककुमिन कैंसर, संक्रमण और खुजली जैसी समस्याओं से निपटने में सहायक होता है। पिपेरिन आंत की दीवार पर पाए जाने वाले एमीनो एसिड्स के वाहकों को उत्तेजित करता है। जानवरों पर किये गए अध्ययन से पता चला है कि पिपेरिन सीवायपी 450 एंजाइम को रोकता है जो कई दवाईयों को मेटाबोलाइज करता है। काली मिर्च हमारी स्वाद ग्रंथियों को उत्तेजित करता है और पेट में हाइड्रोक्लोरिक एसिड के स्त्राव को बढाता है जो भोजन के उचित पाचन में सहायक होता है। काली मिर्च से पाचन अच्छी तरह से होता है जिससे पेट दर्द, पेट फूलना, हार्ट बर्न तथा कब्ज जैसी समस्याओं से छुटकारा मिलता है। इसमें एंटी-बैक्टीरियल गुण भी होता है जो बैक्टीरिया के कारण होने वाली आँतों की बीमारियों के उपचार में सहायक होता है। भोजन के स्वाद को बढाने और उचित पाचन के साथ काली मिर्च भूख बढाने में भी सहायक है। अनुसंधानों से यह पता चलता है कि काली मिर्च नाक को उत्तेजित करके भूख को बढाती है। अत: यह उन लोगों के लिए एक आसान और सस्ता इलाज है जिन्हें भूख अच्छे से नहीं लगती।

यह वजन कम करने में सहायक है। वर्ष 2010 में चूहों पर किये गए अध्ययन से पता चला कि काली मिर्च शरीर के फैट को कम करती है। यह वसा मुक्त आहार आपके चयापचय की प्रक्रिया में सुधार लाता है तथा कैलोरीज बर्न करने में मदद करता है।

यह वातहर है अत: काली मिर्च गैस बनने तथा गैस निकालने में भी सहायक होता है। यदि आपको गैस की समस्या अक्सर होती है तो अपने खाने में लाल मिर्च की जगह काली मिर्च का उपयोग करें।

यदि आपको एसिडिटी की तकलीफहै या पेट में भारीपन है तो एक गिलास छास में एक चौथाई काली मिर्च और जीरा पाउडर डाल कर पीयें। हालाँकि इस मसाले का उपयोग सीमित मात्रा में करना चाहिए। अधिक मात्रा में काली मिर्च खाने से पेट में जलन, गैस्ट्रोइंटेसटाइनल की समस्या, त्वचा संबंधित समस्या और नाक से खून बहना आदि तकलीफें हो सकती हैं। गर्भवती और दूध पिलाने वाली माताओं को इसका सेवन करते समय सावधानी बरतनी चाहिए।

क्या आप भी रोज खाते हैं चावल ? तो इसे जरूर पढे

क्या आप भी हैं चावल के शौकीन तो आपके लिये ये भी जानना जरूरी है कि इससे हमारे शरीर पर क्या प्रभाव पडता है। हमारे देश के हर राज्य में चावल खाया जाता है। चावल हमारे आहार का एक अहम हिस्सा भी है। इसके बिना पूर्ण आहार की कल्पना अधूरी है। लेकिन क्या आपको पता है कि चावल खाने से हमारे शरीर पर क्या प्रभाव पडता है।

चावल में नियासिन, विटामिन डी, कैल्शियम, फाइबर, आयरन, थायमीन और राइबोफ्लेविन पर्याप्त मात्रा में होता है। चावल को सुपाच्य और पौष्टिक खाद्य पदार्थ माना जाता है इसलिये छोटे बच्चों और बीमार व्यक्तियों को खिचडी खाने की सलाह दी जाती है।

अगर आप मधुमेह से पीडित हैं तो चावल की अधिक मात्रा आपको नुकसान पहुंचा सकती है आपके लिये अच्छा होगा कि आप ब्राउन राइस का सेवन करें। अस्थमा के रोगियों को भी चावल से परहेज करना चाहिये क्योंकि चावल की तासीर ठंडी होती है जो उन्हें नुकसान पहुंचा सकती है। चावल खाने से आपके शरीर को ही नही बल्कि आपके मस्तिष्क को भी एनर्जी मिलती है। एक कटोरी चावल खाने से आपके शरीर का मैटाबॉलिज्म बढ़ता है इससे हमें एनर्जी मिलती है और ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। चावल से मस्तिष्क को कार्बोहाइड्रेट्स भी मिलता है जिससे वह अच्छी तरह काम कर सके। हाई ब्लडप्रेशर के रोगियों को प्रतिदिन एक कटोरी चावल जरूर खाना चाहिये। चावल में सोडियम की मात्रा नही होती। इससे दिल की बीमारी का खतरा भी कम होता है। अल्जाइमर के रोगियों के लिये भी चावल अत्यंत लाभकारी है प्रतिदिन चावल खाने से दिमाग में न्यूरोट्रांसमीटर का विकास तेज हो जाएगा, जो अल्जाइमर रोगियों की बीमारी के खिलाफ लडने में सहायक होगा। वाइट राइस की जगह ब्राउन राइस ज्यादा फायदेमंद होता है इससे शरीर को अघुलनशील फाइबर मिलता है जो कैंसर जैसे जानलेवा रोग से हमारी सुरक्षा करता है। आयुर्वेद के अनुसार त्वचा को निखारने के लिये चावल का प्रयोग बताया गया है। साथ ही चावल का पानी जिसे हम माढ भी कहते हैं, त्वचा की हर समस्या को दूर करने के लिये लाभकारी है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट होता है जो कि झुर्रियों को हटाता है। चावल की तासीर ठंडी होती है, इसलिये गर्मियों में इसके सेवन से शरीर को ठंडक मिलती है।